आषाढ़ कृष्ण - 6 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 318 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 17-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बता रही : ममता

6 उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

7 'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने निभाया 100 साल की महिला का किरदार

फर्स्ट टेक

जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

निकोसिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस की अपनी यात्रा संपन्न करने के बाद सोमवार को जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ व्यापक वार्ता की और दोनों देशों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। मोदी तीन देशों साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। वह कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर अपनी यात्रा के दूसरे चरण के तहत रात को कैलगरी पहुंचेंगे, जहां वह कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यह मोदी की एक दशक में कनाडा की पहली यात्रा है।

अफ्रीकी देश गिनी को 150 रेल इंजनों की आपूर्ति करेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मरहौरा में स्थित रेलवे लोकोमोटिव कारखाना अफ्रीकी देश गिनी को तीन साल के भीतर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 150 इंजनों की आपूर्ति करेगा। रेल मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 37 रेल इंजन गिनी को निर्यात किए जाएंगे जबकि अगले वित्त वर्ष में 82 और उसके अगले साल 31 इंजन भेजे जाएंगे। ये सभी इंजन मरहौरा स्थित रेलवे लोकोमोटिव कारखाने में बनाए जाएंगे। इसके लिए कारखाना परिसर में ब्रॉड गेज, स्टैंडर्ड गेज और केप गेज की पटरियां बिछाई गई हैं।

भारत ने उ. कोरिया में नया राजदूत नियुक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने उत्तर कोरिया में अपने नये राजदूत की नियुक्ति कर दी है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि पराग्वे की राजधानी असुनसियन स्थित भारतीय दूतावास के प्रभारी श्री ऐलावाती लोंगकुमेर को डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। आशा है कि वह जल्द ही नया कार्यभार संभाल लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने दो जुलाई 2021 को उत्तर कोरिया में अपना दूतावास बंद कर दिया था उस दौरान वहां अतुल गोतसुर्वे बतौर राजदूत तैनात थे। उत्तर कोरिया के साथ भारत के राजनयिक संपर्क मार्च 1962 में स्थापित किए गए थे। इसके अलावा उत्तर कोरिया में भारत का वाणिज्यिक दूतावास 1968 में स्थापित किया गया था। इसके बाद 10 दिसंबर 1973 को दोनों देशों के बीच में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए गए थे।

भारत और साइप्रस ने आतंकवाद की निंदा की

रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

निकोसिया/भाषा। साइप्रस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को सोमवार को अटूट समर्थन दिया तथा दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की स्पष्ट रूप से निंदा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच व्यापक वार्ता के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों पक्षों ने शांति और स्थिरता को कमजोर करने वाले हाइब्रिड खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

घोषणापत्र में कहा गया, साइप्रस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता और अटूट समर्थन व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल में हुए जघन्य आतंकवादी हमलों में नागरिकों

की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की। इसमें कहा गया, उन्होंने आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति दोहराई तथा किसी भी परिस्थिति में ऐसे कृत्यों के लिए किसी भी कारण को अस्वीकार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी।

संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया, साइप्रस और भारत ने अंतरराष्ट्रीय और सीमापार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की स्पष्ट रूप से निंदा की, तथा शांति और स्थिरता को कमजोर करने वाले हाइब्रिड खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने सभी देशों से अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करने का आग्रह किया तथा सभी प्रकार के सीमापार आतंकवाद की निंदा की।

घोषणा पत्र के मुताबिक, उन्होंने आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को ध्वस्त करने, सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने, आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवाद के अपराधियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया

निकोसिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ''साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' सम्मान प्राप्त करके मैं बहुत कृतज्ञ हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच की मित्रता को समर्पित करता हूं।'' साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को सम्मानित किया।

सोलहवीं जनगणना के लिए अधिसूचना जारी

13,000 करोड़ रुपए का आ सकता है खर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साल 2011 में हुई पिछली जनगणना के 16 साल बाद सरकार ने भारत की 16वीं जनगणना 2027 में कराने के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी की जिसमें जाति गणना भी शामिल होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 की संदर्भ तिथि से की जाएगी।

इसमें कहा गया, '' उक्त जनगणना के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फ बारी वालों क्षेत्रों के अलावा बाकी राज्यों के लिए संदर्भ तिथि एक मार्च, 2027 को 00.00 बजे होगी।''

इसमें कहा गया है कि लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 को 00:00 बजे होगी।

देश भर से जनसंख्या संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने का यह विशाल कार्य लगभग 34 लाख गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों तथा डिजिटल उपकरणों से लैस लगभग 1.3 लाख जनगणना कर्मियों द्वारा किया जाएगा। इसपर सरकार के 13 हजार करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है।

जातिगत गणना भी की जाएगी

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि जनगणना के साथ ही जातिगत गणना भी की जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह सचिव, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की।

हज यात्रियों को लखनऊ ले कर आए

विमान के पहियों से धुआं निकला, सभी यात्री सुरक्षित

लखनऊ/बलिया/भाषा। जेद्दा से 242 हाजियों को लेकर लखनऊ पहुंचे सऊदी एयरलाइंस के विमान के उतरते समय पहियों से धुआं निकलने के बाद यहां हवाई अड्डे पर अलार्म बज गया। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार यह घटना रविवार सुबह शहर के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। विमान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''जेद्दा से 242 हज यात्रियों को वापस ला रहे सऊदी विमान के पहियों से धुआं निकलता देखा गया।'' उन्होंने कहा, ''विमान बचाव और अग्निशमन (एआरएफएफ) टीम मौके पर पहुंची। सऊदी टीम के साथ मिलकर धुएं पर काबू पाया गया और विमान को होने वाले नुकसान को टाला गया।'' उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

बगैर पैसे के पहलगाम हमला संभव नहीं था : एफएटीएफ

नई दिल्ली/भाषा। आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर सोमवार को गंभीर चिंता जतायी और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखित पैदा कर सकता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में हमला कर 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

मनरेगा खत्म करने की कोशिश में मोदी सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के आवंटन में कटौती करके इसे खत्म करने की कवायद में जुटी है, जो संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम के अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़

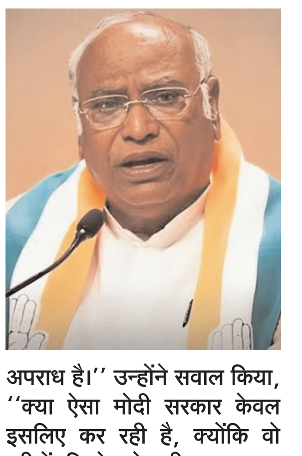

अपराध है।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है, क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब 25,000 रुपए करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, मांग ज़्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं?''

खरगे ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा, जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?'' उन्होंने कहा, ''सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य मांग के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा?

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है?

खरगे ने पूछा, ''करीब 7 करोड़ पंजीकृत श्रमिकों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगाकर बाहर क्यों किया गया? 10 वर्षों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''मनरेगा पर ख़र्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर ग़रीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है। कांग्रेस पार्टी इसका घोर विरोध करेगी।''

अब यूपीआई से लेनदेन होगा और तेज

नई दिल्ली/भाषा। यूपीआई के जरिए लेनदेन सोमवार से और तेज होने जा रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भुगतान के लिए प्रतिक्रिया समय को घटाकर 10 सेकंड कर दिया है। यूपीआई या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस एक तत्काल भुगतान प्रणाली है, जिसे एनपीसीआई ने मोबाइल फोन के जरिए बैंकों के बीच लेनदेन की सुविधा के लिए विकसित किया है। एनपीसीआई के हाल के परिपत्र के अनुसार धन हस्तांतरण, स्थिति जांच और वापसी सहित लेनदेन अब 30 सेकंड के बजाय 10 से 15 सेकंड में पूरे हो जाएंगे। इस तरह 16 जून से, यूपीआई भुगतान में पता सत्यापित करने में लगने वाला समय अब पहले के 15 सेकंड की तुलना में केवल 10 सेकंड लगेगा। एनपीसीआई ने कहा कि प्रतिक्रिया समय में संशोधन का मकसद ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। एनपीसीआई के एक अन्य परिपत्र के अनुसार, ग्राहक जल्द ही अपने यूपीआई ऐप के जरिए दिन में 50 बार अपने खाते का बैलेंस चेक कर सकेंगे। एक विशेषज्ञ के अनुसार अभी तक एक दिन में खाते की शेष राशि की जांच करने की कोई सीमा नहीं है और प्रणालीगत दक्षता को ध्यान में रखते हुए 50 की सीमा शुरू की गई है।

17-06-2025 सूर्यास्त 6:47 बजे	18-06-2025 सूर्योदय 5:54 बजे
BSE 81,796.15 (+677.55)	NSE 24,946.50 (+227.90)
सोना 10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 109,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

हम क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल हमारा शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन-मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करें हम,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

ईरान ने इजराइल पर फिर किए मिसाइल हमले

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को मामूली क्षति

तेल अवीव/एपी। तेल अवीव में अमेरिका के वाणिज्य दूतावास के पास गिरी ईरान की मिसाइल से उसे मामूली क्षति पहुंची है। अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हकाबी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि किसी अमेरिकी कर्मी को कोई चोट नहीं आयी है लेकिन तेल अवीव में वाणिज्य दूतावास और यरुशलम में दूतावास एहतियात के तौर पर दिनभर बंद रहेंगे। ईरान अपने सैन्य और परमाणु ठिकानों पर इजराइल के हमले के जवाब में उस पर मिसाइल हमले कर रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। ईरान ने सोमवार को इजराइल पर मिसाइलों के जरिये फिर से सिलसिलेवार हमले किए, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, इजराइल ने तेहरान के कुछ हिस्सों के निवासियों को नये हमले से पहले इलाका खाली कर देने को कहा है।

इजराइल का तेहरान के आसमान पर नियंत्रण

यह चेतावनी संघर्ष के चौथे दिन आई, जब इजराइली सेना ने दावा किया कि उसने ईरान की राजधानी पर ''हवाई श्रेष्ठता'' हासिल कर ली है और वह बिना किसी बड़े खतरे का सामना किए शहर के ऊपर से उड़ान भर सकती है। सेना ने हमलों से पहले गाजा और लेबनान के कुछ हिस्सों में नागरिकों के लिए इसी तरह की निकासी की अपील की है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया

कि इजराइल का ''तेहरान के आसमान पर नियंत्रण है'' और कहा कि उनका देश ईरानी परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल खतरों को नष्ट करने के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ''राह पर'' है।

नेतन्याहू ने मध्य इजराइल में तेल नोफ एयरबेस की यात्रा के दौरान, तेहरान के हवाई क्षेत्र में आवाजाही की स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए कहा कि ''यह पूरे अभियान में एक बदलाव है।''

इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज और इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के 'चीफ ऑफ स्टाफ' लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर भी उनके साथ थे।

नेतन्याहू ने कहा, ''वायुसेना का तेहरान के आसमान पर नियंत्रण है। हम अपने दो उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं: परमाणु खतरे को खत्म करना और मिसाइल खतरे को समाप्त करना।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम जीत की राह पर हैं और यह हासिल हो रहा है। हमारे वीर पायलटों और हमारे सैनिकों को धन्यवाद, जो अद्भुत काम कर रहे हैं।''

नेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल केवल ईरानी शासन के लक्ष्यों पर हमला कर रहा है, जबकि उसके आसमान में आने-जाने में कोई अड़चन नहीं है। वहीं, ईरान इजराइली नागरिकों पर हमला कर रहा है।

सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने भी कहा, ''इस समय हम कह सकते हैं कि हमने तेहरान के आसमान पर पूरी हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है।''

इजराइली हमले के बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने सीधा प्रसारण रुका

तेल अवीव/एपी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने सोमवार को बताया कि इजराइली हमले के बाद सरकारी टेलीविजन ने सीधा प्रसारण अचानक रोक दिया। प्रसारण के दौरान एक ईरानी सरकारी टेलीविजन संवाददाता ने कहा कि मातृभूमि के खिलाफ (हो रही) आक्रमकता की आवाजों के आने के बाद स्टूडियो धूल से भर गया था। अचानक एक विस्फोट हुआ, जिससे उनके पीछे की स्क्रीन कट गई और वह कैमरे से दूर भागीं। शीघ्र ही पूर्व में रिकॉर्ड किए गए कार्यक्रमों का प्रसारण होने लगा।

इजराइल के विपक्षी नेता ने नेतन्याहू के ईरान अभियान का समर्थन किया

तेल अवीव (इजराइल)/एपी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा ईरान पर भीषण हमला शुरू करने से लगभग 24 घंटे पहले, इजराइल का विपक्ष उनकी सरकार को गिराने की योजना बना रहा था। अब, ईरान के खिलाफ चल रहे अभियान के कुछ ही दिनों बाद, विपक्ष ने नेतन्याहू और गाजा में युद्ध से निपटने के उनके तरीके के खिलाफ महीनों से की जा रही कटु आलोचना को स्थगित करते हुए, इस प्रयास के पीछे एकजुटता दिखानी शुरू कर दी है।

श्रीराम कथा राष्ट्र की कथा है : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा में रविवार को जगद्गुरु ने कहा कि श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण सृष्टि का प्रथम महाकाव्य है। महर्षि वाल्मीकि ने इसकी रचना रामावतार से पहले ही कर दी थी। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रंथ है। रामायण की राम कथा वास्तव में राष्ट्र की कथा है। राम के बिना राष्ट्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जहाँ राम राजा न हों वहाँ राष्ट्र ही नहीं हो सकता। राजा के चरित्र का प्रभाव प्रकृति पर भी पड़ता है। रामराज्य में न तो कोई अल्पायु था और न ही दरिद्र था। स्त्री-पुरुष अपने दाम्पत्य जीवन में अपने सामाजिक तथा व्यक्तिगत व्यवहार को मन-वचन से निभाते थे। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलना चाहिए। जब तक व्यक्ति में रामत्व नहीं आता, जीव में जड़ता बनी रहती है।

उन्होंने कथा को आगे बढ़ाते हुए सीताराम विवाह के कुछ समय पश्चात चारों भाइयों के अपनी पत्नियों के साथ अयोध्या आगमन, महाराज दशरथ द्वारा राम को राजा बनाने की घोषणा, मंथरा के समझाने-बुझाने पर कैकेयी के रूठकर कोप भवन में जाने, महाराज दशरथ को अपने दो पुराने वरदान के वचन की याद दिलाकर पहले वरदान में अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या की राजगद्दी और दूसरे में राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास मांगने, पिता के द्वारा दिए गए वचन की लाज रखने के लिए श्रीराम के सीता एवं लक्ष्मण के साथ वनगमन, अपने प्रिय पुत्र राम के विछोह में महाराज दशरथ के प्राण त्यागने, ननिहाल से भरत के अयोध्या आने और पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद गुरु वशिष्ठ के साथ पुरजन एवं परिजनों को साथ लेकर श्रीराम को अयोध्या वापस लाने के लिए चित्रकूट जाने आदि प्रसंगों की कथा सुनाई। संत रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रभु श्री राम विवाह के पश्चात कुछ समय जनकपुर में बिताने के बाद जनकनंदिनी सीता और अपने तीनों भाइयों व उनकी पत्नियों के साथ अयोध्या वापस लौटते हैं। महाराज दशरथ और उनकी तीनों रानियाँ माता कौशल्या, कैकेयी एवं सुमित्रा अपनी बहुओं का भव्य स्वागत करती हैं। अयोध्या में चहुँओर खुशी छा जाती है। हंसी-खुशी के साथ समय बीतता है। एक दिन महाराज दशरथ ने गुरुजनों से परामर्श करने के बाद श्रीराम का राज्याभिषेक करने की घोषणा करते हैं।

राजतिलक के ठीक पहले माता कैकेयी के हठ पर पिता दशरथ के वचन की लाज रखने के लिए श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। जनकनंदिनी सीता और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वन जाने पर अड़ जाते हैं। जब श्रीराम को वनवास पर जाने की सूचना मिलती है तो वे विचलित नहीं होते। वन गमन के लिए निकलते समय श्रीराम अंधियारे में ही महल से निकलते हैं ताकि अयोध्यावासियों को उन्हें वनवास के लिए जाते देख विरह की वेदना न सहनी पड़े।

कथाव्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण किया और संस्कृति संस्कृतम गुरुकुलम् के निर्माण के बारे में जानकारी दी। मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, राजू सुथार, अजय पाण्डेय, शेषचन्द्र माहेश्वरी, जेके प्रसाद गुप्ता परिवार, सम्पतराज आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। भंडारा सेवा के लाभार्थी गोपी संकीर्तन मंडल एवं कृष्ण कृपा परिवार के सदस्यों तथा जनार्दन पाण्डेय ने सपरिवार कथाव्यास श्री रामभद्राचार्य महाराज का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री राम परिवार के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ के आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में 3 सितम्बर को अहमदाबाद चातुर्मास में दीक्षा ग्रहण करने जा रहे मुमुक्षु मनोज सकलेचा का यलगिरि हिल्स स्टेशन पर स्थित जैन रॉयल पैलेस रिसोर्ट में मालिक अमृतलाल भंसाली ने रविवार को सम्मान किया तथा उनके संयम जीवन के लिए मंगलकामना की।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन बेंगलूरु द्वारा जुलाई माह में इनरवियर उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशाल ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस ट्रेड फेयर में इनरवियर उद्योग के नामी गिरामी ब्रांड शामिल होंगे। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कमलेश जैन व राकेश सेमलानी ने हुब्बल्ली के महेन्द्र सिंघी से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया।

ब्यावर संघ के स्नेह मिलन में दिखा आपसी भाईचारे व सौहार्द का माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ब्यावर संघ का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह रविवार को एक रिसोर्ट में आयोजित किया गया। संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष एवं स्नेह मिलन के मुख्य लाभार्थी पदमचंद बोहरा, उपाध्यक्ष महेन्द्र भन्साली, उपाध्यक्ष एवं सह लाभार्थी अनिल कोठारी, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री एवं युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, युवा महामंत्री कुलदीप छाजेड़, लेडीज विंग की संयोजक चन्द्रकला डाकलिया, संगीता पारख ने परमात्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके स्नेह मिलन का शुभारंभ किया। संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने करीब 550 परिवारजनों का स्वागत किया। अरविंद कोठारी ने पिछले वर्ष हुए संघ के कार्यकलापों की जानकारी दी। ललित डाकलिया ने युवा शाखा और लेडीज विंग के कार्यों की चर्चा करते हुए पीपीटी के माध्यम से पिछले वर्षों में हुए कार्यक्रमों की जानकारी संघ के समक्ष प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने बताया कि संघ के वेबपेज का लोकार्पण भी जैन डायरेक्टरी के संस्थापक विनीत जैन ने किया।

इस मौके पर युवक युवतियों ने ब्यावर शहर के पारम्परिक लोकनृत्य गैर और घूमर नृत्य की प्रस्तुति दी। बिन्दु मेहता द्वारा संघ के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और पुरुषों के लिए अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। स्नेह मिलन के मुख्य लाभार्थी गुमान चंद पदमचंद बोहरा परिवार, सह लाभार्थी जुगराज अनिल कुमार कोठारी परिवार, लाभार्थी सोहनराज संजय कुमार राठौड़ परिवार और सहयोगी में कार्यकारिणी सदस्य और सलाहकार सदस्य थे, जिनका सम्मान किया गया। मिलन कार्यक्रम में ब्यावर संघ, युवा शाखा और लेडीज विंग के सदस्यों ने सहयोग किया।

जनजातीय कल्याण के लिए आवंटित धनराशि प्रायः संबंधित विभाग खर्च नहीं कर पाता : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को दावा किया कि जनजातीय कल्याण के लिए सरकार द्वारा आवंटित धनराशि अक्सर संबंधित विभाग द्वारा खर्च नहीं की जाती है।

पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सत्तारूढ़ दलों के राजनीतिक हितों के लिए ऐसे विभागों की निधि के साथ समझौता किया जाता है, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तो मैंने महाराष्ट्र के बजट में आदिवासियों के समग्र विकास के लिए नौ प्रतिशत धनराशि आवंटित की थी। यद्यपि जनजातीय कल्याण के लिए एक निश्चित राशि स्वीकृत की जाती है, लेकिन इस निधि को अक्सर संबंधित विभाग द्वारा खर्च नहीं किया जाता है, जो एक त्रासदी है। पवार ने 2024-25 के राज्य बजट में 'आदिवासियों के लिए बजटीय प्रावधान और व्यय' का विश्लेषण करने वाली एक पुस्तिका का विमोचन किया। यह पुस्तिका पवार की अध्यक्षता वाले 'यशवंतराव चव्हाण केंद्र' के जनजातीय विकास केंद्र द्वारा तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पुस्तिका के माध्यम से इसका गहराई से अध्ययन करने तथा इसके पीछे के कारणों को जानने का ईमानदार प्रयास किया गया है।

ट्रेकिंग आयोजन से 'जीतो' यूथ विंग साउथ ने बढ़ाया परस्पर परिचय व नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ चैप्टर के सदस्यों ने रविवार को उत्तरी बेट्टा ट्रेक पर ट्रेकिंग इवेंट का आयोजन किया जिसमें 125 युवाओं ने भाग लिया। जीतो स्पोर्ट्स टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व संयोजक शशांक जैन ने किया।

कार्यक्रम में यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल, मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, उप चेयरमैन कुणाल मकाना, कोषाध्यक्ष यश जैन, संयुक्त सचिव अवधी चौहान अवधी चौहान और प्रबंध समिति के सदस्य दर्शिता, शेफाली गोलेछा, हर्षा जैन, कृष मेहता, कुणाल राठौड़ और तक्ष नाहर कार्यक्रम में शामिल हुए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल खेल में आपसी परिचय व नेटवर्किंग करना था।

दो दिवसीय 'तेरापंथ-मेरापंथ' प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में तेरापंथ सभा बेंगलूरु द्वारा गांधीनगर तेरापंथ भवन में तेरापंथ दर्शन के प्रशिक्षण हेतु दो दिवसीय तेरापंथ-मेरापंथ' कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संपूर्ण दक्षिण भारत से कुल 52 प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में अहमदाबाद से आए प्राध्यापक डालमचंद नौलखा तथा लुधियाना से आए इस प्रकल्प के राष्ट्रीय संयोजक सूर्यप्रकाश सामसुखा ने गहन प्रशिक्षण प्रदान किया। गांधीनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संचालन प्रवक्ता उपासक महेन्द्र दक ने किया।

जिलाधिकारी ने इंद्रायणी नदी पर बने पुल को खतरनाक घोषित किया था : फडणवीस

पालघर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल को जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित किया था और उस पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई थी और 18 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये थे। बत्तीस साल पुराना यह लोहे का पुल उस पर अधिक संख्या में पर्यटकों के मौजूद होने के कारण ढह गया था। पालघर में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि मावल तहसील में घटनास्थल पर एक नया पुल बनाने का ठेका दिया गया था और काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुल को घटना से पहले ही जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित कर दिया था और ग्रामीणों ने भी चेतावनी बोर्ड लगाए थे। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को पुल की स्थिति की गंभीरता का शायद पता नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने मानसून के मौसम के लिए पुणे जिले में पुलों तथा जलाशयों समेत 500 खतरनाक स्थानों की पहचान की थी।

फडणवीस ने 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को पालघर में 'प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करने के वास्ते कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है।

एक समारोह में मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की और राज्य के 32 जिलों की जनजातीय आबादी को लक्षित करते हुए कई विकास योजनाओं की घोषणा की।

इस कार्यक्रम में उद्योग के लिये प्रासंगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना के तहत कई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि कुल 57 कंपनियों ने मिलकर कौशल प्रशिक्षण के लिए साझेदारी की है और इस प्रशिक्षण में खास ध्यान कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दिया जा रहा है तथा यह पूरा कार्यक्रम सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग के साथ मिलकर चलाया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, हम भविष्य के लिए तैयार होने जा रहे हैं। कुछ लोगों की मानसिकता यह है कि वे बिना प्रशिक्षण के रोजगार चाहते हैं। यह काम नहीं करेगा। हमने पहले दिन से ही एआई और अन्य महत्वपूर्ण कौशलों में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, क्योंकि नौकरियों के लिए इसकी आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रेन ऑपरेटर प्रशिक्षण भारत में अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण है और यह जिले में विशाल वाढवण बंदरगाह के संबंध में शुरू किया जाएगा, ताकि इसके परिणामस्वरूप रोजगार में वृद्धि का प्राथमिक लाभार्थी यहां के निवासी बन सकें।

'प्रधानमंत्री धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' को आजादी के बाद आदिवासियों के लिए सबसे बड़ा कार्यक्रम बताते हुए फडणवीस ने आदिवासी समुदाय के स्वतंत्रता सेनानियों को लंबे समय से प्रतीक्षित सम्मान दिलाने और उनकी विरासत को हर गांव तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। इस अवसर पर फडणवीस ने महाराष्ट्र बांस मिशन की भी शुरुआत की।

टाटा संस के चेयरमैन ने एयर इंडिया के कर्मचारियों से कहा,

आगे बढ़ते रहने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया के कर्मचारियों से सोमवार को कहा कि उन्हें आगे बढ़ते रहना चाहिए और जो कुछ भी हम करते हैं, उसमें दृढ़ निश्चयी होना चाहिए। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एयर इंडिया के एक विमान के अहमदाबाद में पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त होने के मद्देनजर उन्होंने यह बात कही और इस दुर्घटना को अपने 'करियर' का सबसे दिल दहला देने वाला संकट बताया।

चंद्रशेखरन ने गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया मुख्यालय एवं एयर इंडिया प्रशिक्षण अकादमी में करीब 700 कर्मचारियों व नेतृत्व दल को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों को दृढ़ता दिखाने की जरूरत है और इस घटना से सबक लेते हुए एक 'सुरक्षित विमानन कंपनी' बनाने की राह पर बढ़ना चाहिए। सूत्रों ने चंद्रशेखरन के हवाले से कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम आगे बढ़ते रहें। हम जो भी करें, उसमें और दृढ़ निश्चयी रहें। हमें जांच के पूरी होने का इंतजार करना होगा, ताकि घटना के कारणों का पता चल सके।''

सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा, ''मैंने अपने करियर में काफी संकट देखे हैं, लेकिन यह सबसे दुखद घटना है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऐसा दिन देखना पड़ेगा।'' एयर इंडिया का विमान - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर 12 जून को लंदन के लिए उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने रविवार को दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की थी।

मोदी सरकार के 11 साल व दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भाजपा ने आयोजित की प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष और दिल्ली सरकार के 100 दिन पर सोमवार को संयुक्त रूप से एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

दिल्ली भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में पिछले 11 वर्षों में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। यह प्रदर्शनी दिल्ली में नवगठित भाजपा सरकार द्वारा पिछले 100 दिनों में की गई प्रगति की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पुरी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल को न केवल इन 100 दिनों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए, बल्कि आगामी दिनों के लिए निर्धारित उपलब्धियों के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा, यमुना, कूड़े के पहाड़ और दिल्ली में वायुमण्डलीय प्रदूषण की समस्या का प्रभावी समाधान किया जा रहा है और शीघ्र ही अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है।

बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6% पर, महिलाओं पर दिखा अधिक असर

नई दिल्ली/भाषा। देश में मई के दौरान मौसमी उतार-चढ़ाव की वजह से बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल महीने में 5.1 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बेरोजगारी दर में यह वृद्धि मुख्य रूप से मौसमी बदलावों और देश के कुछ हिस्सों में पड़ी अत्यधिक गर्मी के कारण देखने को मिली है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) सर्वेक्षण में दर्ज आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2025 के दौरान सभी आयु वर्गों में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6% हो गई। सीडब्ल्यूएस सर्वेक्षण की तिथि से पहले के सात दिनों की अवधि में निर्धारित गतिविधियों को दर्शाता है। मंत्रालय ने रोजगार की स्थिति की सही तस्वीर दर्शाने के लिए पिछले महीने पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण जारी किया था। नवीनतम सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले महीने पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.6% रही, जबकि महिलाओं में थोड़ी अधिक 5.8% थी। युवाओं पर बेरोजगारी की अधिक मार देखने को मिली है। मई में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 15-29 आयु वर्ग के लिए बढ़कर 15% हो गई जबकि अप्रैल में यह 13.8% थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल के 17.2% से बढ़कर मई में 17.9% हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह पिछले महीने के 12.3% से बढ़कर 13.7% तक पहुंच गई। खासकर, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पूरे देश में बढ़कर 16.3 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 14.4 प्रतिशत थी।

उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद बाइक टैक्सी सेवाएं ठप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उच्च न्यायालय की ओर से परिचालन निलंबित करने के निर्देश दिये जाने के बाद सोमवार को कर्नाटक में ऐप-आधारित कंपनियों द्वारा संचालित बाइक टैक्सी सेवाएं ठप हो गईं। आदेश का अनुपालन करते हुए ओला, उबर और रैपिडो जैसे राइड-हेलिंग ऐप्स से बाइक टैक्सी सेवा के विकल्प हटा दिए गए। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनियों को अदालत के फैसले का पालन करना होगा।

रेड्डी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, तीन महीने पहले अदालत ने फैसला दिया था कि बाइक टैक्सियां अवैध हैं। पहले अदालत ने छह सप्ताह का समय दिया था और फिर अनुरोध पर छह सप्ताह का और समय दिया। अब जबकि 12 सप्ताह बीत चुके हैं, कंपनियों को उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना होगा। कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को राज्य में बाइक टैक्सी सेवाओं को निलंबित करने वाले एकल न्यायाधीश के पहले के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार की खंडपीठ उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ओला का संचालन करती है) और रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (जो रैपिडो का संचालन करती है) द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई कर रही थी।

कंपनियों ने दो अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें छह सप्ताह के भीतर बाइक

टैक्सी सेवाएं बंद करने का निर्देश दिया गया था। बाद में समयसीमा 15 जून तक बढ़ा दी गई थी। एकल न्यायाधीश ने कहा था कि जब तक राज्य सरकार मोटर वाहन अधिनियम के तहत विशिष्ट नियम और दिशा-निर्देश अधिसूचित नहीं करती, तब तक ऐसी सेवाएं संचालित नहीं हो सकतीं। खंडपीठ ने राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई 24 जून के लिए निर्धारित की।

इस बीच ओला उबर ड्राइवर्स एंड ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर पाशा ने आदेश को सख्ती से लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा, ''सरकार को अवैध रूप से चल रही मोटरसाइकिलों को जब्त करना चाहिए और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।''

रैपिडो ने एक बयान में अदालत के फैसले का जिक्र करते हुए सवारियों को लेकर चिंता व्यक्त की। इसने कहा, ''भले ही हम चल रहे मामले में पहल करने वाले पक्ष नहीं हैं, फिर भी हम एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में जुड़े हुए हैं। यह हमारे चालकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है, जिनमें से कई अपनी प्राथमिक आय के स्रोत के रूप में बाइक टैक्सियों पर निर्भर हैं।'' उबर ने भी 16 जून से अपनी बाइक टैक्सी सेवाएं निलंबित करने की पुष्टि की है।

कंपनी ने कहा, ''यह निर्णय हजारों सवारियों और चालकों को प्रभावित करता है जो प्रतिदिन बाइक टैक्सी सेवा पर निर्भर रहते हैं। हम एक प्रगतिशील नीति विकसित करने में मदद करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे, जो सभी के लिए सुरक्षित, सुलभ और सस्ती गतिशीलता सुनिश्चित करे।''

सोमवार को दावणगेरे में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावणगेरे जिले में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा कई विभागों के लाभार्थियों को लाभ वितरित किए।

कर्नाटक का सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से अलग : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनकी सरकार द्वारा किया जाने वाला आगामी सामाजिक-शैक्षणिक और जातिगत सर्वेक्षण केंद्र सरकार की जाति जनगणना से मूल रूप से भिन्न है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की यह पहल सामाजिक न्याय की आवश्यकता से प्रेरित है। उनकी यह टिप्पणी एक राजपत्र अधिसूचना के बाद आयी है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना एक मार्च, 2027 से शुरू होगी, जबकि बर्फबारी वाले क्षेत्रों केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे कुछ क्षेत्रों में यह जनगणना 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगी।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, केंद्र जाति जनगणना कर रहा है, जिसे 2027 से शुरू किया जाएगा। हालांकि, यह नहीं कहा गया है कि वह सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण करेगा। हम जो करने जा रहे हैं, वह एक सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण है। जाति जनगणना भी इसके दायरे में आएगी। उन्होंने दोहराया कि कर्नाटक सरकार को केंद्र की जनगणना पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्होंने राज्य की कवायद के दायरे और इरादे को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, केंद्र केवल जाति जनगणना कर रहा है, जबकि हम एक व्यापक सामाजिक-शैक्षणिक और जातिगत सर्वेक्षण कर रहे हैं। यह अंतर महत्वपूर्ण है। सिद्दरामय्या के अनुसार, राज्य के सर्वेक्षण का उद्देश्य आंकड़े एकत्र करना है, जो पिछड़े और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए प्रभावी कल्याणकारी उपायों की जानकारी दे सकता है। उन्होंने कहा, हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सामाजिक न्याय के लिए हमें लोगों की सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का पता होना चाहिए।

यह जाने बिना सार्थक कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। पिछले सर्वेक्षण पर आपत्ति जताने वाले प्रभावशाली समुदायों के दबाव के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने आरोप को खारिज किया और कहा कि पिछले सर्वेक्षण पर आपत्ति प्रभावशाली और वंचित दोनों समुदायों की ओर से आयी थी।

उन्होंने कहा, ''इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 10 साल हो चुके हैं, जब पिछला सर्वेक्षण शुरू किया गया था। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम की धारा 11 के अनुसार, हर 10 साल बाद एक नयी रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। नये सर्वेक्षण का आदेश देने के हमारे फैसले का यही कानूनी और प्रशासनिक आधार है।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को बिना देरी किए सर्वेक्षण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, मैंने पिछड़ा वर्ग आयोग को तुरंत यह काम करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी जाति आधारित गणना और नीति निर्माण पर इसके प्रभाव को लेकर जारी राष्ट्रीय चर्चा के बीच आयी है। कर्नाटक ने 2015 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना की थी, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों से विवाद और विरोध के कारण इसके निष्कर्ष कभी आधिकारिक रूप से प्रकाशित नहीं किए गए।

राज्य मंत्रिमंडल ने 12 जून को एक नया सर्वेक्षण करने का फैसला किया, जिसका उद्देश्य अद्यतन आंकड़े एकत्र करना था। यह कदम कांग्रेस आलाकमान के निर्देश के बाद उठाया गया है, जिसमें राज्य से फिर से जातिगत गणना शुरू करने का आग्रह किया गया था, क्योंकि कई समुदायों की ओर से चिंता जतायी गई थी कि एक दशक पहले किए गए सर्वेक्षण में उन्हें बाहर रखा गया था।

अंतरजातीय सामूहिक विवाह बढ़ रहे हैं, लेकिन धर्मनिरपेक्ष समाज का निर्माण संभव है : सिद्दरामय्या

'शमनूर शिवशंकरप्पा स्वस्थ हैं और शतायु होंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। रिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री शमनूर शिवशंकरप्पा की 95वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि अंतरजातीय सामूहिक विवाह बढ़ रहे हैं, लेकिन धर्मनिरपेक्ष समाज का निर्माण संभव है। लैंगिक भेदभाव और जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए इस तरह के सामूहिक विवाह और अंतरजातीय विवाह अधिक बार होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम और गारंटी भी बनाई और लागू की है।बसवन्ना और बसवदी शरणार का सपना था कि जाति और वर्ग के बिना समाज बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस दिशा में कार्यक्रम बना रही है। शमनूर शिवशंकरप्पा स्वस्थ हैं और सौ साल तक जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर हम उनके उत्साह और सक्रियता को देखें तो वे एक और चुनाव लड़ सकते हैं। अगर वे उत्साह दिखाते हैं तो पार्टी उन्हें फिर से टिकट देने के लिए तैयार है।

सामूहिक विवाह समारोह और जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, गृहमंत्री जी. परमेश्वर आदि उपस्थित थे। इस मौके पर एक केक काटा गया। शिवशंकरप्पा ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमं को केक खिलाकर जन्म दिन की बधाईयां स्वीकार की।

भारी बारिश की वजह से दक्षिण कन्नड़ में 'रेड अलर्ट', स्कूल-कॉलेज बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश को देखते हुए दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने जिले में 'रेड अलर्ट' जारी किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, और उत्तर कन्नड़ जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है जिससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बीच मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 17 जून तक अनेक तटवर्ती इलाकों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

इसके मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ के उपायुक्त और जिलाधिकारी मुल्लाई मुहिलान ने एक अधिसूचना जारी कर जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों को सोमवार को बंद रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए चेतावनी जारी करते हुए उन्हें समुद्र तटों, नदियों और अन्य जल निकायों के पास जाने से सख्ती से मना किया है। मछुआरों को अगले आदेश तक समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है।

इसमें सभी तालुका-स्तरीय अधिकारियों को अपने मुख्यालय में रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और होम गार्ड की टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। मौसम विभाग की सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक बारिश उडुपी जिले के कुंदापुर तालुक के चित्तूर में हुई जहां 274 मिमी वर्षा दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, उडुप्पी में कई अन्य क्षेत्रों में 200 मिमी से अधिक बारिश हुई है जिनमें हाकलाडी (265.5 मिमी), हेरूर (261 मिमी) और मोलहल्ली (240 मिमी) शामिल हैं। इसी प्रकार दक्षिण कन्नड़ जिले के मंगलूरु के बाला में 215.5 मिमी और बाजपे में 206 मिमी बारिश दर्ज की गई।

'राज्य में रक्त संग्रह में निर्धारित लक्ष्य से 124 प्रतिशत की प्रगति हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शेषाद्रीपुरम् कॉलेज में विश्व रक्तदाता दिवस समारोह में भाग लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राज्य में जनसंख्या के अनुसार रक्त संग्रह के निर्धारित लक्ष्य से 124 प्रतिशत की प्रगति हासिल की गई है। राज्य की कुल आबादी के 1 प्रतिशत लोगों को रक्त की आवश्यकता है और इस हिसाब से 2024-25 में 8,15,402 रक्त यूनिट एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया था। मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि वर्ष के दौरान 10,11,073 रक्त यूनिट एकत्र किए गए हैं, जो 124 प्रतिशत की प्रगति है। रक्तदाता दिवस मनाकर रक्तदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 1 यूनिट रक्त 4 लोगों की जान बचा सकता है। इसलिए हमारे युवाओं को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रक्त संग्रह की बेहतर व्यवस्था करने के लिए कदम उठाए गए हैं। मातृ मृत्यु को रोकने में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। तालुक के सरकारी अस्पतालों में प्लाज्मा रक्त संग्रह की व्यवस्था नहीं थी। अब, सभी 147 तालुक अस्पतालों में प्लाज्मा रक्त संग्रह प्रणाली लागू की जा रही है, और आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है।

मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि 11 नए सरकारी रक्त केंद्र लागू किए जा रहे हैं। इससे राज्य के सरकारी अस्पतालों में आने वाले गरीब लोगों को रक्त और उसके ऊतकों की आपूर्ति हो सकेगी। साथ ही, देश में पहली बार राज्य में सबसे अधिक रक्त एकत्र करने वाले 4 सरकारी रक्त केंद्रों को क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र (आरसीई) रक्त केंद्रों में अपग्रेड करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। यहां, कुशल विशेषज्ञों द्वारा सभी रक्त केंद्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके और जिलों में रक्त केंद्रों, रक्त भंडारण इकाइयों और अस्पतालों को पर्याप्त, सुरक्षित और गुणवत्ता वाला रक्त सुनिश्चित करके, कर्नाटक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रक्त की गुणवत्ता बनाए रखेगा

मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि सरकार के पास 9 रक्त परिवहन वाहन हैं। 7 रक्त संग्रह और परिवहन वैन चालू हैं। 4 नए रक्त परिवहन और रक्त संग्रह वाहन (बीसीटीवी) खरीदने की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही रक्त संग्रह और परिवहन सेवाएं शुरू हो जाएंगी। रक्तदाता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने खुद रक्तदान किया और दूसरों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

रैपिडो कंपनी से जुड़े दोपहिया वाहन चालक ने महिला यात्री को थप्पड़ मारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में रैपिडो कंपनी से जुड़े एक दोपहिया वाहन चालक ने लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर हुई तू-तू मैं-मैं के बाद एक महिला यात्री को थप्पड़ मार दिया और यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना 13 जून को उस समय हुई जब जयनगर में एक आभूषण की दुकान पर सेल्स वीमैन के रूप में काम करने वाली महिला अपने कार्यस्थल को जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि कथित तौर पर खराब और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण महिला बीच में ही उतर गई और इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस हुई। महिला ने कथित तौर पर किराया देने और हेलमेट लौटाने से भी इनकार कर दिया। संपर्क करने पर रैपिडो ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह पुलिस का मामला है।

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसमें महिला को मोटरसाइकिल चालक कथित तौर पर थप्पड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। महिला पर हमला इतना जोरदार था कि वह जमीन पर गिर गई। पुलिस के अनुसार, जब मामला प्रकाश में आया तो महिला और मोटरसाइकिल सवार दोनों को जयनगर थाने में लाया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने दावा किया कि मोटरसाइकिल सवार लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और सिग्नल तोड़ रहा था। महिला ने उतरने के बाद इस बारे में जब उससे पूछा तो दोनों के बीच बहस शुरू हो गई और उसने महिला को थप्पड़ मार दिया। उन्होंने बताया कि महिला ने समझाने के बावजूद पहले तो शिकायत देने से मना कर दिया। हालांकि, पुलिस ने मामले में गैर-संज्ञेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज कर ली। बाद में उसे शिकायत देने के लिए नोटिस भी भेजा गया, ताकि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा सके। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी जगलासर ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी बाइक टैक्सी चालक के खिलाफ सोमवार को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, इस महीने की 13 तारीख को सुबह 10 बजे एक बहस और तकरार हुई। इसके बाद एक रैपिडो चालक ने एक महिला को थप्पड़ मार दिया। उस दिन महिला से जयनगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कहा गया तो उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हालांकि आज वह इस संबंध में मामला दर्ज कराने के लिए आगे आई है।

महिला की हत्या के छह महीने बाद प्रेमी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक में 28 वर्षीय व्यक्ति ने शादी करने के लिए दबाव बना रही अपनी प्रेमिका की कथित तौर पर हत्या कर दी और सबूतों को नष्ट करने के लिए उसका शव दफना दिया। पुलिस ने यह सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस की जांच-पड़ताल के बाद यह घटना सामने आयी, जिसके बाद आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गसर। इस वारदात को छह महीने पहले अंजाम दिया गया था। मृतका की पहचान गदग तालुक के नारायणपुरा गांव की मधुश्री अंगादी (26) के रूप में की गयी है। आरोपी सतीश हिरेमथ भी इसी गांव का रहने वाला है। दोनों का छह साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

पुलिस के अनुसार, मधुश्री के माता-पिता को सतीश के साथ उसका रिश्ता पसंद नहीं था और उन्होंने उसे गदग में उनके रिश्तेदारों के घर रहने के लिए भेज दिया था। 16 दिसंबर 2024 की रात को उसने अपने रिश्तेदार का घर छोड़ दिया और लापता हो गयी थी। पुलिस ने बताया कि 12 जनवरी 2025 को बेटागेरी पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी गयी।

गदग के पुलिस अधीक्षक बी एस नामेगौड़ा ने बताया कि मधुश्री अपने प्रेमी पर उससे शादी करने का दबाव डाल रही थी जिसके कारण उनके बीच आए दिन झगड़े होते थे। जांच के दौरान यह पता चला कि 16 दिसंबर की रात को आरोपी मधुश्री को नारायणपुरा के समीप एक फार्महाउस में लेकर गया, जहां दोनों के बीच झगड़ा हुआ और सतीश ने गला घोंटकर महिला की हत्या कर दी। हत्या के बाद सतीश ने उसका शव दफना दिया और उसके बारे में कुछ भी जानकारी होने से इनकार कर दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतीश ने शक के घेरे में आने से बचने के लिए पेट्रोल पंप पर काम करना शुरू कर दिया। वह समय-समय पर घटनास्थल पर जाकर लड़की के अवशेषों को कहीं और फेंक देता और इस तरह उसने सबूत नष्ट करने की कोशिश की।

पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्य के जरिए इस मामले का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि मधुश्री के फोन से एक स्थान पर संदेश आया जो सतीश के बयान से मेल नहीं खाता था, जिससे संदेह पैदा हुआ। पूछताछ के बाद सतीश ने अपराध कबूल कर लिया और इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''पूछताछ के दौरान जैसे ही हमें घटना के बारे में सूचना मिली तो अधिकारियों ने हत्या का मामला दर्ज किया और विस्तृत जांच शुरू की। आरोपी को हिरासत में लिया गया है और हम उससे पूछताछ करने और सबूत इकट्ठा करने के लिए उसे पुलिस हिरासत में लेने की योजना बना रहे हैं।''

इससे पहले आरोपी ने दावा किया था कि उसने महिला को एक दोपहिया वाहन पर शहर के बाहरी इलाके में छोड़ दिया था और उसे नहीं पता कि वहां से वह कहां गयी। पुलिस को शक था कि दोनों कहीं भाग गए होंगे, लेकिन मधुश्री से कोई संपर्क नहीं हो पाया जिसके बाद संदेह पैदा हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''सभी सबूतों की पुष्टि करने के बाद हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।'' मधुश्री के कुछ अवशेषों को बरामद कर लिया गया है लेकिन अभी उसकी खोपड़ी नहीं मिली है।

कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी के साथ विश्वासघात किया : भाजपा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले कराए गए जातिगत सर्वेक्षण को रद्द करने और नया सर्वेक्षण कराने के कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस पर अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ हमेशा विश्वासघात करने का सोमवार को आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र यादव ने जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि अब रद्द कर दिए गए जातिगत सर्वेक्षण को कराने में सरकारी खज़ाने से 165 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। यादव ने दावा किया कि कांग्रेस का ओबीसी समुदाय के हितों के साथ विश्वासघात करने का इतिहास रहा है। केंद्र में कांग्रेस की सरकारों ने पिछड़ा वर्गों को सशक्त बनाने संबंधी काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट को नजरअंदाज किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने मंडल आयोग की सिफारिशों का भी विरोध किया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा है कि नये सिरे से जातिगत सर्वेक्षण कराने का फैसला उनकी सरकार का नहीं है, बल्कि कांग्रेस नेतृत्व का निर्णय है।

मुलाकात

बेंगलूरु में सोमवार को भारतीय वायुसेना प्रशिक्षण कमान बेंगलूरु के कमांडिंग-इन-चीफ एयर चीफ मार्शल तेजिंदर सिंह ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

भिवाड़ी में जल निकासी का मुद्दा दोनों राज्य बैठकर सुलझाएंगे : मीणा

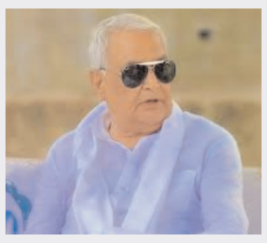

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के प्रभारी मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा है कि भिवाड़ी में जल निकासी की समस्या दो राज्यों का मसला है और इस मुद्दे को दोनों राज्य बैठकर सुलझायेंगे। मीणा ने सोमवार को अलवर में वंदे गंगाजल अभियान की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि भिवाड़ी राजस्थान का सबसे अच्छा और सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, इसका ख्याल रखना भी जरूरी है। उन्होंने राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में महत्वपूर्ण बाघ आवास (सीटीएच) क्षेत्र को बदलने के सवाल पर कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो इस संबंध में राजस्थान और केंद्र के वन एवं पर्यावरण मंत्री से बातचीत की जायेगी। सिलीसेढ़ में बोरिंग के विरोध में चल रहे आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि शहर को पानी मिलना चाहिए और किसानों से संवाद करना चाहिए। वैसे वहां बोरिंग भी होनी चाहिए, लेकिन रास्ता तो संवाद से ही निकलेगा। पुलिस निरीक्षक भर्ती निरस्त करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इस संबंध में अब कुछ नहीं कहा जा सकता। अलवर के जयसमंद बांध क्षेत्र में भूखंड काटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि माफियाओं की आदत होती है कि उनके खिलाफ कार्रवाई करो, तो फिर वही भूखंड काटते हैं।

अगर वहां पर दोबारा ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से उनका पुख्ता इलाज किया जायेगा। सिलीसेढ़ में अवैध होटल के निर्माण पर उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच करायी जायेगी। अगर अतिक्रमण क्षेत्र में है तो निश्चित रूप से अतिक्रमण हटाया जायेगा। इससे पहले मीणा के सोमवार को अलवर पहुंचने पर मिनी सचिवालय में जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने उन्हें पौधा भेंट करके उनका स्वागत किया। इसके बाद मीणा ने मिनी सचिवालय में वंदे गंगा जल अभियान को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

पात्र व्यक्ति को मिले जन कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाईमाधोपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केन्द्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बागड़े सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने शिक्षा विभाग से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने तथा उन्हें तार्किक सोच एवं पाठ्यपुस्तक के बाहर का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने पर बल दिया।

उन्होंने नन्हे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में नवाचार और रोचकता लाने, विद्यालयों में खेलों को बढ़ावा देने एवं मानसिक व शारीरिक विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र में शिक्षा का ही सर्वाधिक महत्व है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, जल एवं ऊर्जा जैसी आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट स्तर आवश्यक है। उन्होंने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी भवनों की छतों और परिसरों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत शेष घरों में शीघ्र नल कनेक्शन देने, प्रत्येक गांव ढाणी को मोटरेबल सड़कों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण, तालाबों की सफाई एवं वर्षा जल संग्रहण को प्राथमिकता देते हुए गांव का पानी गांव में रोकने हेतु अमृत सरोवर एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं का विकास करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा में प्रति जॉब कार्ड औसत श्रमिक दिवस बढ़ाने के साथ श्रमिकों को रोजगार के लिए जागरूक करने की बात कहीं। स्वामित्व योजना के तहत पट्टा पार्सल का त्वरित वितरण, स्वच्छ भारत मिशन में कार्यशील शौचालयों की निगरानी और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर भी बल दिया। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण और निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाकर प्लास्टिक व कचरे को खुले स्थानों पर नहीं डालकर चिन्हित स्थानों पर गड्ढे खोदकर जमीन में गाडने के निर्देश दिए ताकि जैविक अपघटन द्वारा कचरा मृदा एवं खाद में परिवर्तित हो जाए। बैठक में राज्यपाल ने राजीविका समूहों की समीक्षा करते हुए निष्क्रिय समूहों को पुनः सक्रिय करने, लागत एवं मुनाफे की जानकारी संकलित कर समूहों को आत्मनिर्भर व्यवसाय के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी बल दिया।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध आवास उपलब्ध कराने, भवन निर्माण में गुणवत्ता, वेंटिलेशन व संरचनात्मक सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से संवाद कर सबसे गरीब परिवारों की जानकारी प्राप्त कर सत्यापन पश्चात सबसे जरूरतमंद व्यक्तियों को सर्वप्रथम आवास प्रदान करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून के दौरान पौधारोपण में बड़े और छायादार पौधों को प्राथमिकता दी जाए तथा सुरक्षा व सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा पर जाएंगे देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा में वे इन दोनों देशों की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों का अध्ययन करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार देवनानी मंगलवार सुबह जयपुर से नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे और उसके बाद दिन में पेरिस जाएंगे। देवनानी इस सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों का अध्ययन करेंगे। वह राजस्थान विधानसभा में किये गये नवाचारों के अनुभवों को भी दोनों के सांसदों से साझा करेंगे।

देवनानी का फ्रांस की 'नेशनल असेम्बली' और 'सीनेट' तथा जर्मनी के 'बुंडेसटाग' और 'बुंडेसरात' के अवलोकन करने का भी कार्यक्रम है। इसके अनुसार देवनानी राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 68वें सम्मेलन से पूर्व विभिन्न देशों की संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी के लिये यह अध्ययन यात्रा कर रहे हैं।

देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान–प्रदान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों की संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार–विमर्श करेंगे।

जनसहभागिता से ही सफल होगा जल संरक्षण अभियान : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले के मांडल उपखंड में ब्यावर मार्ग स्थित तालाब की पाल पर सोमवार को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित मुख्य समारोह में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि जल संरक्षण अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का सम्पूर्ण मंत्रिमंडल सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है एवं आमजन इसमें अपनी सहभागिता निभाए जिससे यह अभियान पूर्णतः सफल हो।राजस्व मंत्री मीणा ने कहा, अगर आज हम इस पुनीत कार्य को नहीं समझ पाए, तो भविष्य में जल संकट होना निश्चित है। प्रकृति हमें संकेत दे रही है, जिसे समझना हम सभी के हित में है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और अधिकारियों से आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने घर के सामने एक पेड़ लगाने का संकल्प ले, ताकि पर्यावरण और जल स्रोतों को सुरक्षित रखा जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ तालाब में जल पूजन से हुआ, जिसके बाद जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण और जल स्रोत संरक्षण की योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, सीईओ चन्द्रभान सिंह भाटी, उपखंड अधिकारी सीएल शर्मा, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत मांडल पंचायत समिति सभागार में जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में राजस्व मंत्री मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि भीलवाड़ा जिला वर्तमान में जल संरक्षण अभियान में राज्य स्तर पर तीसरे स्थान पर है, लेकिन हमें इसे प्रथम स्थान पर लाने के लिए जिला प्रशासन के नेतृत्व में मिलकर काम करना होगा। इस दौरान विधायक उदयलाल भडाणा ने अधिकारियों को आमजन के हितों के कार्य त्वरित रूप से करने एवं आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिकाधिक संख्या में पहुँचाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने अभियान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि तालाबों की सफाई, वर्षा जल संग्रहण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण शपथ, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियों के माध्यम से जनजागरण किया जा रहा हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने परम्परागत जल स्त्रोत बावड़ियों, तालाबों, बांधों एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई और उनके संरक्षण की दिशा में जो कदम बढाया उसे हम सब को मिलकर आगे बढ़ाना है साथ ही पानी को सुरक्षित करके उसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस मौके पर स्थानीय प्रतिनिधि, ग्रामीण महिला पुरुष व प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और आमजन से जल, वृक्ष व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई।

यह कार्यक्रम जल शक्ति मंत्रालय, नमामि गंगे मिशन व राजस्थान राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य भर में परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन देना और जन–जागरूकता फैलाना है।

इस दौरान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओपी मेहरा, जिला परिषद सीईओ चन्द्रभान सिंह भाटी, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सीपी गोस्वामी, उपखंड अधिकारी सीएल शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक मेघा गोयल, सरपंच संजय भंडिया, विकास अधिकारी गुलाब सिंह गुर्जर, सचिव कजोड़मल गुर्जर, लालकृष्ण सेन, सुभाष सोनी, मंडल अध्यक्ष भैरू लाल गाडरी, छीतर मल काबरा, भैरू लाल तड़बा, ओम भंडिया, शिव जोशी, बागोर मंडल अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह राणावत, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, शिव सोनी, सहित ब्लॉक के मुख्य अधिकारी मौजूद थे।

गोदावरी नदी में डूबे राजस्थान के युवक, मुख्यमंत्री शर्मा ने शोक जताया

जयपुर। तेलंगाना के बसारा में गोदावरी नदी में डूबने से राजस्थान के कम से कम चार युवकों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ लोगों का समूह रविवार को बसारा स्थित प्रसिद्ध ज्ञान सरस्वती मंदिर में पूजा–अर्चना करने के लिए गया था। मंदिर जाने से पहले समूह के पांच युवक नहाने के लिए नदी में उतरे। नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया, जिसके चलते पांच किशोर नदी की तेज धारा में बह गए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''तेलंगाना के बसारा क्षेत्र में गोदावरी नदी में डूबने से राजस्थान के युवकों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!'' कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के अनुसार, हादसे में पाली के तीन सगे भाइयों की भी मौत हो गई।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, तेलंगाना के बसारा जिले में गोदावरी नदी में स्नान के दौरान हुए हृदय विदारक हादसे में राजस्थान के चार युवाओं पाली जिले के तीन सगे भाई और नागौर ज़िले के ताऊसर निवासी एक युवक का असमय निधन अत्यंत दुःखद और स्तब्ध कर देने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी हादसे पर शोक जताया है।

लंबित प्रकरणों को तय समयावधि में निस्तारित करे : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को देवनारायण योजना के अंतर्गत अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी तबकों को मिले। इस कारण से लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में देवनारायण छात्रा स्कूटी वित्तरण एवं प्रोत्साहन राशि योजनान्तर्गत गत वर्षों की स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी (एस.सी. छात्रा) योजनान्तर्गत गत वर्षों की स्कूटी वित्तरण की अद्यतन स्थिति, योजना के तहत संचालित कन्या महाविद्यालय बयाना एवं महाविद्यालय नादौती में स्वीकृत पदों की स्थिति, देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत वर्ष सान्याअवि द्वारा आवंटित बजट एवं व्यय, देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में प्रवेशित क्षमता के विरूद्ध विद्यालय वार आवंटित छात्र–छात्राओं की संख्या एवं उसके विरूद्ध प्रवेशित छात्र–छात्राओं की समीक्षा की गई।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने अति पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत आवंटित बजट के विरूद्ध व्यय होने,अति पिछड़ा वर्ग पूर्व मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में आवंटित बजट के विरूद्ध व्यय राशि की जानकारी ली। साथ ही देवनारायण योजनान्तर्गत संचालित नवीन प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में स्वीकृत पदों के विरूद्ध पदस्थापन की स्थिति भी जानी। गहलोत ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के अधिकारियों से देवनारायण योजनान्तर्गत 152 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए वर्ष 2009–10 से 2012–13 तक आवंटित राशि तथा व्यय व उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के बारे में भी जानकारी ली। इसके अलावा योजनान्तर्गत स्वीकृत 207 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 में बजट प्रावधान के विरुद्ध व्यय राशि तथा स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वीकृत पदों के विरुद्ध पदस्थापन के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से योजनान्तर्गत छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों के भवन निर्माण कार्यों के लिए वर्ष 2024–25 में आवंटित बजट एवं व्यय और निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

गहलोत ने महिला एवं बाल विकास विभाग से देवनारायण योजनान्तर्गत 195 आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए विगत वर्षों में आवंटित राशि के मुकाबले व्यय तथा निर्माण की स्थिति जानी तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों से देवनारायण योजनान्तर्गत बजट घोषणाओं की प्रगति, योजनान्तर्गत संचालित छात्रावासों, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, योजनान्तर्गत संचालित आवासीय विद्यालय, अति पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में लम्बित आवेदन पत्रों की जिलेवार स्थिति सहित अन्य विषयों की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री, मंत्रियों के फोन दिल्ली में सुने जा रहे हैं : डोटासरा का आरोप

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के फोन टेप होने का गंभीर आरोप लगाया है। डोटासरा ने कहा कि काम से मिलने आने वाले लोग बताते हैं कि मुख्यमंत्री और मंत्री कहते हैं कि डायरेक्ट फोन पर बात मत करो, क्योंकि उनके फोन दिल्ली में सुने जाते हैं। सोमवार को जयपुर स्थित कांग्रेस वॉर रूम में मीडिया से बातचीत करते हुए डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में अदृश्य शक्तियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान कई बार ऐसे संकेत मिलते हैं कि संवाद दिल्ली तक पहुंच रहा है। डोटासरा ने भाजपा संगठन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी नेता एक–दूसरे को कमजोर करने में लगे हैं। दिल्ली से पर्ची बदलने का डर हर किसी के मन में है। संगठन के कामकाज की जानकारी देते हुए डोटासरा ने कहा कि 80 प्रतिशत मंडल व ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन पूरा हो चुका है और 28 जून तक सभी 200 विधानसभा सीटों पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की सूची चुनाव आयोग को भेज दी जाएगी।

राज्य निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए डोटासरा ने कहा कि पंचायत व निकाय चुनावों की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हुई है। उन्होंने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के चुनाव संबंधी बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री को चुनावों की घोषणा करने का अधिकार नहीं है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस के प्रधान व सरपंच हैं, वहां सरकार नए काम स्वीकृत नहीं कर रही है। इसको लेकर एक हजार से अधिक मामलों के कोर्ट जाने की संभावना है।

'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की जोगाराम पटेल ने की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करें और जिलेवासियों को जागरूक कर उनकी व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए इसे जन आंदोलन बनाएं। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने कहा कि 'जल है तो कल है'। हम सबके लिए पर्यावरण के साथ पानी भी बहुत जरूरी है। जल के अभाव में कुछ भी नहीं है। प्रदेश में भूजल का स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे पीने और सिंचाई के लिए पानी की कमी होती जा रही है। हमारी वर्षा जल पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, जो व्यर्थ बहकर चला जाता है। इन्हीं परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पानी को बचाने और उसके संरक्षण के लिए यह महत्वपूर्ण जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य पानी और पेड़ों के महत्व के प्रति आमजन को जागरूक करना है। लोग पानी की महता समझें, पानी को बचाएं और उसे व्यर्थ न बहने दें। इसके लिए हमें जन–जन को जागरूक करना होगा। सबसे पहले खुद को तन–मन से अभियान से जोड़ें और उसके बाद परिवार एवं आमजन को भागीदार बनाएं। मंत्री जोगाराम पटेल ने विभिन्न विभागों की ओर से किए जा रहे जल संरक्षण एवं पौधारोपण के कार्यों की विभागवार विस्तृत जानकारी ली और अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पुनीत परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरी गुणवत्ता के साथ कराएं और जनसहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि इसके तहत अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके पालन–पोषण की जिम्मेदारी तय करते हुए हरे–भरे वृक्ष के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि धरातल पर क्रियान्वयन में कोई कठिनाई हो तो बताएं और अभियान को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दें।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी दिशा–निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिचित कर अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान इस अभियान के अच्छे परिणाम सामने आएंगे। जिले में जल संचय होगा और भूजल स्तर बढ़ेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अभियान के नोडल अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा ने 5 जून से अब तक इस अभियान के तहत जिला प्रशासन, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, वन, नगर परिषद, कृषि, वाटर शेड, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं पशुपालन सहित अन्य विभागों की ओर से संचालित सभी गतिविधियों से पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा कि ओडिशा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पिछले एक वर्ष में अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है और ऐसे में उत्सव मनाया जाना राज्य की जनता का अपमान है। ओडिशा में पिछले साल भाजपा की सरकार बनी थी और दो दशक से अधिक समय बाद नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल सरकार सत्ता से बाहर हुई थी। प्रदेश में पहली बार भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने अहमदाबाद विमान हादसे का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''देश गम में डूबा है और ओडिशा में भाजपा सरकार 12 जून से 20 जून तक उत्सव मना रही है। खुद प्रधानमंत्री मोदी इस उत्सव का समापन करने जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार भले ही उत्सव मना रही है, लेकिन उसने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। दास ने दावा किया, ''ओडिशा में स्वास्थ्य सुविधाओं के हालात बदतर हैं। राज्य के लगभग सभी जिलों में बहुत सारे पद खाली पड़े हैं। 12,000 की आबादी पर एक डॉक्टर भी नहीं है। राज्य के कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड खारिज हो रहे हैं। जनता को मजबूरी में निजी अस्पताल में इलाज कराना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जनता परेशान है, किसानों को लूटा जा रहा है, राज्य में बेरोजगारी है, अस्पताल नहीं है। ऐसे समय में सरकार को उत्सव मनाने का कोई हक नहीं है। यह राज्य की जनता के साथ मजाक है और उनका अपमान है।'' कांग्रेस के ओडिशा प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने दावा किया कि राज्य (ओडिशा) में भाजपा ने भ्रष्टाचार को लेकर बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति का वादा किया था, लेकिन पिछले एक साल में भ्रष्टाचार का बोलबाला दिखा है।

भाजपा बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बता रही : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह अपनी सरकार वाले राज्यों में बांग्ला भाषी नागरिकों को निशाना बना रही है और यहां तक कि वैध दस्तावेज धारकों को भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बता रही है। विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने भाजपा पर उन लोगों को आजीविका कमाने के अधिकार से वंचित करने का भी आरोप लगाया, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा-शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ पार्टी द्वारा चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, ''आपको शर्म आनी चाहिए कि आप वास्तविक भारतीय नागरिकों को सिर्फ उनकी भाषा के आधार पर बांग्लादेशी बता रहे हैं। बांग्ला के साथ-साथ गुजराती, मराठी और हिंदी में बोलने में भी गर्व महसूस होना चाहिए। अगर आप मुझसे पूछें तो मैं इन सभी भाषाओं में बोल सकती हूं।''

ओएनजीसी के कुएं से गैस रिसाव पांचवें दिन भी जारी, टीम बचाव में जुटी

शिवसागर (असम)/भाषा। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओएनजीसी ने सोमवार को कहा कि असम के शिवसागर जिले में कच्चे तेल के कुएं में पांचवें दिन भी गैस रिसाव जारी है और उसने रिसाव पर काबू पाने के लिए सबसे अनुभवी संकट प्रबंधन दल को तैनात किया है। दूसरी ओर जिला प्रशासन ने कहा कि वायु प्रदूषण अभी भी स्वीकार्य सीमा के भीतर है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम (पीसीबीए) का स्थानीय कार्यालय हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है।

भटियापार के बारीचुक में ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के रिग नंबर एसकेपी 135 के कुआं नंबर आरडीएस 147 में 12 जून को रिसाव शुरू हुआ था। एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी की ओर से कुएं का संचालन कर रही थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''ओएनजीसी ने कुआं आरडीएस 147 पर गैस रिसाव को रोकने के लिए अपनी सबसे अनुभवी संकट प्रबंधन टीम को तैनात किया है, जो जटिल कुआं नियंत्रण कार्यों के प्रबंधन में सिद्ध रिकॉर्ड वाली है। ओएनजीसी का शीर्ष प्रबंधन इस अभियान की बारीकी से और लगातार निगरानी कर रहा है।'' कंपनी ने कहा कि भूवैज्ञानिक चुनौतियां तेल और गैस संचालन के साथ जुड़ी हुई हैं और वह कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करती है। कंपनी ने कहा, ''ओएनजीसी गैस रिसाव को जल्द से जल्द पूरी तरह से नियंत्रण में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।'' ओएनजीसी ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित निकालने का काम किया है और उन्हें रहने की जगह, भोजन, पेयजल और अन्य जरूरी वस्तुएं दी गई हैं। रिसाव के कारण, लगभग 1,500 लोग प्रभावित हुए हैं।

आदित्यनाथ ने 1,184 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अम्बेडकरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अम्बेडकरनगर जिले के कटेहरी में एक भव्य समारोह में 1,184 करोड़ रुपए की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान के मुताबिक 102 योजनाओं का लोकार्पण किया गया और 92 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर विचार करते हुए कहा कि अकबरपुर बस स्टैंड का नामकरण 'श्रवणधाम बस स्टैंड' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह नामकरण श्रवण धाम की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को सम्मान देने का प्रयास है, जो मातृ-पितृ भक्ति का प्रतीक है। उन्होंने टांडा बस स्टैंड का नाम स्वर्गीय जयराम वर्मा के नाम पर 'जयराम वर्मा बस स्टैंड' करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रवण धाम को रामायण काल से पूर्व के धाम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिव बाबा धाम में विधिवत दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि कुछ लोगों को उत्तर प्रदेश का विकास अच्छा नहीं लगता, उन्हें केवल अपने परिवार का विकास ही अच्छा लगता है, ऐसे लोग परिवार के नाम पर जाति को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जातिवाद के नामपर सत्ता में आकर नग्न तांडव करते हैं, समाज को बांटते हैं तथा पर्व-त्योहार के उत्साह और उमंग को फीका करते हैं। उन्होंने समाज को बांटने वालों को बेनकाब करने की बात भी कही। बयान के अनुसार योगी ने 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के तहत पूरे उत्तर प्रदेश के 11,690 किसान परिवारों को 561.86 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित करने की बात कही जिसमें अम्बेडकरनगर के 431 परिवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना में किसानों, बटाईदारों, कृषि श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''पैसे की कमी नहीं है। हम हर तहसील में इस कार्यक्रम को चला रहे हैं ताकि आपदा प्रभावित किसान परिवारों को तुरंत सहायता मिले।''

सरकार बताए सिपाही भर्ती में पीडीए की संख्या कितनी और उनकी हकमारी कौन कर रहा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए सवाल उठाया कि सरकार बताए कि सिपाहियों की भर्ती में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की संख्या कितनी है और उनकी हकमारी कौन कर रहा है।

यादव ने पार्टी की अल्पसंख्यक शाखा के पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में सवालों के जवाब में कहा, कोई भी सरकार नियम व नियम के बाहर भर्ती नहीं कर सकती। रविवार को 60 हज़ार से अधिक सिपाहियों के लिए आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछली सपा सरकार पर पुलिस भर्तियों में भाई-भतीजावाद और रिश्वत जैसे आरोप लगाए जाने और अब तक की सबसे बड़ी भर्ती के दावे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, ''ये आरोप इसलिए लगाते हैं कि इनसे कोई सवाल न पूछे। अगर हम लोग संख्या पूछना चाहें कि इतनी भारी संख्या में भर्ती हुई तो इसमें पीडीए की गिनती क्या है, तो?'' उन्होंने कहा, सरकार बताए कि पीडीए की हकमारी कौन कर रहा है। इस भर्ती में पीडीए की हकमारी किसने की। सिर्फ पीडीए के आंकड़े बता दे सरकार। उन्होंने दोहराया, कोई सवाल न पूछे इसलिए यह केवल इनका दुष्प्रचार है और भाजपा से अच्छा दुष्प्रचार कोई नहीं कर सकता।

शिवराज ने अंबेडकर के 'अपमान' के लिए लालू पर साधा निशाना

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाबा साहब अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर सोमवार को निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को राज्य और देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

अत्यंत पिछड़े वर्ग से आने वाले स्वतंत्रता सेनानी बुद्धू नोनिया की स्मृति में आयोजित एक समारोह में शामिल होने पटना आए शिवराज ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात की।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा, ''मैं अचंभित हूं कि लालू प्रसाद के साथ क्या गलत हुआ है। उन्होंने भारत रत्न से सम्मानित अंबेडकर की तस्वीर अपने पैरों के नीचे रखवाई थी, जिन्होंने देश को उसका संविधान दिया। मुझे दुख और पीड़ा महसूस हो रही है।''

चौहान पिछले सप्ताह प्रसाद के 78वें जन्मदिन समारोह के एक वीडियो फुटेज का हवाला दे रहे थे, जिसमें एक आगंतुक ने राजद सुप्रीमो के पैर के पास अंबेडकर का चित्र रखा था। हालांकि, राजद ने इस आरोप से इनकार किया और दावा किया है कि आगंतुक ने अपने हाथों में चित्र पकड़ रखा था और भाजपा ''कैमरा एंगल'' के कारण विवाद खड़ा कर रही है। चौहान ने कहा कि इस घटना ने प्रसाद के ''सामाजिक न्याय'' के मसीहा होने के दावों पर सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा, ''बिहार और पूरे देश के लोग राजद और उसके अध्यक्ष को कभी माफ नहीं करेंगे।''

नोनिया को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर केंद्र सरकार विचार कर सकती है: शिवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार बिहार और उत्तर प्रदेश में मौजूद अति पिछड़े वर्ग के 'नोनिया' समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार कर सकती है।

ग्रामीण विकास और कृषि मंत्रालय संभाल रहे चौहान स्वतंत्रता सेनानी 'बुद्धू नोनिया' की याद में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिन्हें अति पिछड़ा वर्ग में शामिल समुदाय एक आदर्श के रूप में देखता है।

चौहान ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के लिए ईश्वर का उपहार हैं। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे के साथ काम किया है, लेकिन खासकर पिछड़े वर्गों के संबंध में मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों, जैसे- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, के प्रयास बेमिसाल हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज जब हम बुद्धू नोनिया को याद कर रहे हैं, जो नमक कर का उल्लंघन करने के लिए उबलते पानी में फेंके जाने के बावजूद भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलते रहे, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जातिगत गणना के साथ जनगणना की तारीखों की घोषणा कर दी है। मोदी और शाह, दोनों अभिनन्दन के पात्र हैं।''

चौहान ने कहा कि नोनिया समाज को आश्वस्त रहना चाहिए कि जातिगत गणना के आंकड़े सामने आने के बाद समुदाय के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग भी उठाई गई है। अगर सर्वेक्षण में पाया जाता है कि समुदाय के 90 प्रतिशत से अधिक लोग गरीब हैं, तो केंद्र सरकार इस पर विचार करेगी।''

गाजियाबाद में कथित धर्म परिवर्तन के आरोप में पादरी और उसका शिष्य गिरफ्तार

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले के क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में पुलिस ने एक पादरी और उसके शिष्य को कमजोर वर्ग के लोगों को आर्थिक मदद की आड़ में ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रियाश्री पाल ने बताया कि प्रबल गुप्ता की शिकायत के आधार पर रविवार को गिरफ़्तारी की गईं। प्रबल गुप्ता का आरोप है कि पादरी विनोद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के लोगों को आर्थिक मदद का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराता है। विनोद मूल रूप से केरल का रहने वाला है और फिलहाल साहिबाबाद में रह रहा है। एसीपी ने बताया कि पादरी हर रविवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके की राहुल विहार कॉलोनी में प्रेम चंद जाटव के घर पर प्रार्थना सभा आयोजित करता था तथा जाटव ने खुद कुछ साल पहले बपतिस्मा लिया था। अधिकारी ने बताया कि जाटव ने कथित तौर पर सभाओं में मदद की व गरीब पृष्ठभूमि के लोगों को सत्रों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जहां पादरी ने उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया।

पटना में जल्द ही 'वाटर मेट्रो' सेवा शुरू होगी : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पटना में जल्द 'वाटर मेट्रो' सेवाएं शुरू होने की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शहर गंगा पर अंतर-देशीय जल परिवहन प्रणाली का केंद्र बन जाएगा। यह घोषणा राज्य के विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले की गई है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में अंतर-देशीय जल परिवहन के विकास पर यहां एक परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार माल ढुलाई, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के लिए नदी प्रणालियों की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''वाटर मेट्रो प्रणाली नदी के दोनों किनारों को जोड़ेगी और पटना के लिए स्वच्छ, कुशल और आधुनिक शहरी परिवहन समाधान प्रदान करेगी। राष्ट्रीय अंतर-देशीय नौवहन संस्थान को नए निवेश के साथ उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत किया जा रहा है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत के अंतर-देशीय जलमार्गों को हरित विकास और संपर्क का जीवंत इंजन बना दिया है। उप्र, बिहार, झारखंड और प. बंगाल में फैला राष्ट्रीय जलमार्ग इस पुनरुद्धार के केंद्र में है।'' मंत्री ने कहा कि सरकार माल ढुलाई, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के लिए नदी प्रणालियों की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनगणना की अधिसूचना 'खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया' जैसी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना 'खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया' जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए।

सरकार ने सोमवार को वर्ष 2027 में जातिगत गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी की। पिछली बार ऐसी जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 से तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 से की जाएगी।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लंबे इंतजार के बाद बहुप्रचारित 16वीं जनगणना की अधिसूचना आखिरकार जारी हो गई है। लेकिन यह एकदम 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसी है क्योंकि इसमें 30 अप्रैल 2025 को पहले से घोषित बातों को ही दोहराया गया है।'' उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांग्रेस की लगातार मांग और दबाव के चलते ही प्रधानमंत्री को जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के मसले पर झुकना पड़ा। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री ने इसी मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं को अर्बन नक्सल तक कह दिया था।

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले की एक अदालत ने सोमवार को एक विवादित बयान मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अगली सुनवाई की तारीख 18 जुलाई तय की।

अदालत में याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, 15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस से नहीं, इंडिया स्टेट से है।'' याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता के अधिवक्ता सचिन गुप्ता ने कहा कि अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने सुनवाई की अगली तारीख 18 जुलाई तय की । अदालत ने सिमरन गुप्ता के परिवाद पर राहुल गांधी को अब 18 जुलाई को जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया है। अदालत में राहुल गांधी के वकील मौजूद नहीं थे और उनके कनिष्ठ वकील ने अगली तारीख का अनुरोध किया था। सचिन गुप्ता ने कहा कि उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि वह राहुल गांधी को अदालत में मौजूद रहने का निर्देश दे। याचिकाकर्ता गुप्ता ने कहा, ''15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई केवल आरएसएस व भाजपा से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट से है।''

भारत को लीड्स में कुलदीप और जडेजा दोनों को खिलाना चाहिए : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की एकादश में रविंद्र जडेजा के साथ शामिल करने का समर्थन किया है।

श्रृंखला का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। पारंपरिक रूप से लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है। हरभजन ने सोमवार को 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, ''भारत को कुलदीप यादव को खिलाने पर विचार करना चाहिए। बेशक जडेजा उनके साथ गेंदबाजी करेंगे। इसलिए तीन तेज गेंदबाजों के साथ दो स्पिनर इस मैच के लिए एकदम सही जोड़ी होंगे।''

हरभजन ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को किसी भी तरह की परिस्थितियों में संभावित मैच विजेता करार दिया। उन्होंने कहा, ''देखते हैं कि क्या परिस्थितियां बदलती हैं और स्पिनरों को मदद मिलती है। लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता है तो भी मुझे लगता है कि ये दो सक्षम गेंदबाज हैं जो किसी भी पिच पर विकेट ले सकते हैं।'' अपने अनुभव के आधार पर हरभजन ने 2002 में हेडिंग्ले में दो स्पिनरों को मैदान में उतारने के भारत के साहसिक फैसले को याद किया जब उन्होंने और अनिल कुंबले ने मिलकर 11 विकेट चटकाए थे। हरभजन ने कहा, ''उस समय यह एक बहुत ही अनोखा फैसला था। पिच पर काफी घास थी लेकिन प्रबंधन ने फैसला किया कि हम दो स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेंगे और संजय बांगड़ भी गेंदबाजी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमने पांच सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को चुना जो विकेट ले सकते थे। अंत में यही मायने रखता है। आपको उन गेंदबाजों का समर्थन करना चाहिए जो किसी भी परिस्थिति या किसी भी तरह की पिच पर विकेट ले सकते हैं।'' शारदुल ठाकुर ने भारत की दो टीम के बीच हुए अभ्यास मैच में शतक बनाया और विकेट लिए तथा हरभजन का मानना है कि टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के स्थान के लिए उनका पलड़ा नितीश रेड्डी पर भारी है। हरभजन ने कहा, ''भारत को एक ऐसे गेंदबाज की जरूरत है जो थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सके। भारत के पास नंबर सात तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी हैं और नंबर आठ पर आपको यह देखना होगा कि कौन गेंदबाजी कर सकता है और आपके लिए विकेट ले सकता है तथा थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सकता है। ''

कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी के साथ विश्वासघात किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले कराए गए जातिगत सर्वेक्षण को रद्द करने और नया सर्वेक्षण कराने के कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस पर अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ हमेशा विश्वासघात करने का सोमवार को आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र यादव ने जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि अब रद्द कर दिए गए जातिगत सर्वेक्षण को कराने में सरकारी खज़ाने से 165 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की बात सिर्फ दिखावे के लिए करती है, ताकि चुनाव में फायदा पाने के लिए समाज में फूट डाल सके। कांग्रेस केंद्र से जाति गणना और राष्ट्रव्यापी जनगणना के दौरान सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर विस्तृत आंकड़े हासिल करने के लिए तेलंगाना मॉडल अपनाने की मांग कर रही है। इसपर भाजपा के प्रमुख ओबीसी चेहरे ने सवाल किया कि विपक्षी पार्टी ने कर्नाटक में यही मॉडल क्यों नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदरूनी विरोधाभास उजागर हो गए हैं, क्योंकि पार्टी की सामाजिक न्याय के प्रति कोई वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं है और वह चुनावी उद्देश्यों के लिए इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपनाती है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से माफी मांगने की भी मांग की। यह मांग उनके जन्मदिन पर उनके पैरों के पास भीम राव अंबेडकर की तस्वीर लगाने को लेकर उठे राजनीतिक विवाद के बाद की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''यह उनके (लालू के) अहंकार को दर्शाता है। उनकी सरकार के दौरान पिछड़े वर्गों और दलितों को सबसे अधिक अन्याय का सामना करना पड़ा।'' यादव ने दावा किया कि कांग्रेस का ओबीसी समुदाय के हितों के साथ विश्वासघात करने का इतिहास रहा है।

सुविचार

कृष्ण की मुस्कान में राधा ने वो सुकून पाया, जिसे पाने के लिए लोग जीवन भर भागते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप के शिगूफे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन के कारण मशहूर होते जा रहे हैं। वे इन दिनों अतिशयोक्तिपूर्ण दावे कर खुद को 'शांति पुरुष' के तौर पर पेश कर रहे हैं। क्या ट्रंप नोबेल पुरस्कार लेने के लिए माहौल बनाना चाहते हैं? उनके दावे तो ऐसा ही संकेत दे रहे हैं! कभी वे यह कहकर खुद के सियासी कद को बढ़ाने की कोशिश करते हैं कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को 'व्यापार का इस्तेमाल' कर रुकवा दिया। हालांकि उनके शब्दों को भारत ने खारिज कर दिया। अब वे ईरान और इजराइल के बीच समझौते का शिगूफा छोड़कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। प्राय: अमेरिकी राष्ट्रपति के शब्दों में खास तरह की गंभीरता होती है। ट्रंप जिस किस्म की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे वे राष्ट्रपति पद की गरिमा घटा रहे हैं। चूंकि यह उनका दूसरा और आखिरी कार्यकाल है, लिहाजा वे कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिससे उनके नाम के साथ विशेष सम्मान जुड़ जाए। वे इसके लिए मनगढ़ंत दावे करने से भी परहेज़ नहीं कर रहे हैं। वास्तव में ट्रंप ने बैठे-बैठाए आत्मप्रचार का ऐसा नुस्खा ढूंढ़ लिया, जिसमें हल्दी लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा आ जाए। वे चाहते हैं कि उनकी छवि एक ऐसे नेता की बने, जिसने दुनिया को परमाणु युद्ध से बचा लिया। ट्रंप वैश्विक शांति के प्रतीक बनना चाहते हैं। वे बड़े सैन्य संघर्षों के साथ खुद का नाम एक ऐसे शख्स की तरह जोड़कर प्रचारित कर रहे हैं, जिसे दुनिया 'शांतिदूत' माने। इसके लिए उन्हें एक डॉलर भी खर्च नहीं करना पड़ रहा। बस, अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चार लाइनें लिख देते हैं और माहौल बन जाता है। वे अब ईरान-इजराइल जैसे जटिल मुद्दे को खुद के नाम कर उसमें भी अपनी उपलब्धि दिखाना चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को 24 घंटे में ख़त्म कराने का दावा करते थे। उसका क्या हुआ? युद्ध भले ही खत्म नहीं हुआ, लेकिन ट्रंप के कई समर्थकों को लगता है कि वे अमेरिका को फिर से महान बना रहे हैं। इस तरह ट्रंप खुद की 'डीलमेकर' की छवि को मजबूत कर रहे हैं, साथ ही रिपब्लिकन पार्टी को यह संदेश दे रहे हैं कि अगले चुनाव में उनकी भूमिका को नज़र-अंदाज़ नहीं किया जा सकता। वे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने में निर्णायक भूमिका निभाना चाहते हैं। वे अपनी पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को भी यह संदेश देना चाहते हैं कि राजनीति में कामयाबी के लिए उनके नेतृत्व के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। उन्हें लगता है कि हर वैश्विक समस्या का एक ही समाधान है। क्या इस दावे पर विश्वास किया जा सकता है कि कोई देश ट्रंप की बात मान लेगा, क्योंकि वे टैक्स की दरें बढ़ा सकते हैं और व्यापार संबंधी प्रतिबंध लगा सकते हैं? ट्रंप चीन, रूस, ईरान जैसे देशों को कितना झुका पाए? वे उत्तर कोरिया के किम जोंग उन का क्या कर पाए? क्या वे चेतावनी देकर ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोक सकते हैं? ईरान की परमाणु एजेंसी ने तो कह दिया है कि तेहरान द्वारा नया संयंत्र शुरू करने की तैयारी के कारण यूरेनियम संवर्धन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ईरान तीसरे संवर्धन परिसर को 'सुरक्षित' स्थान पर सक्रिय करेगा। वहीं, पुतिन के तेवर तीखे बने हुए हैं। सिंधु जल संधि के संबंध में भारत का रुख भी सख्त है। केंद्र सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि अगर पाकिस्तान की ओर से दोबारा कोई आतंकी हरकत हुई तो भारत उसे किसी सूरत में नहीं बख्शेगा, बल्कि ज्यादा ताकत के साथ प्रहार करेगा। तो ट्रंप की 'चेतावनी' का कितना असर दिखाई दे रहा है? शून्य! अमेरिकी राष्ट्रपति को चाहिए कि अपने देश की ओर भी कुछ ध्यान दें। वे 'शांति पुरुष' दिखने की कोशिश में हंसी के पात्र ज्यादा बन रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

कोटा के बड़ौद-बूढ़ादीत में कालीसिंध नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पुल निर्माण से लेकर नई सड़कों और नवीन भवनों तक यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे।

-ओम बिरला

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस जी द्वारा साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस खखख से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है।

-दीया कुमारी

राम जल सेतु लिंक सिर्फ परियोजना नहीं, राजस्थान की प्यास बुझाने का वादा है। इससे राज्य को 3.25 लाख लोगों के लिए पेयजल, 4.03 लाख हेक्टेयर में सिंचाई, और 4102 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलेगा।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

स्मरण से उद्धार

एक बार गौ-लोक धाम में श्रीराधा ने श्रीकृष्ण से विनम्रतापूर्वक पूछा, 'हे माधव! कंस आपके सगे मामा होते हुए भी आपके माता-पिता को कष्ट देता रहा, आपका निरंतर अपमान करता था, संतों का उपहास उड़ाता था, और बार-बार आपकी हत्या के प्रयास करता था। फिर भी, उस महापापी को आपके ही हाथों परम मोक्ष कैसे प्राप्त हो गया? उसके ऐसे कौन से पुण्य थे?' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'राधे, कंस जो कुछ भी करता, जो कुछ भी सोचता, वह सब मेरे ही बारे में होता था। चाहे वह मुझसे द्वेष करता था, क्रोधित होता था या भयभीत रहता था, लेकिन उसका मन हर पल मेरे स्मरण में लगा रहता था। जो व्यक्ति निरंतर मेरा स्मरण करता हैचाहे वह प्रेम से करे या भय सेउसे मैं अंततः मोक्ष ही देता हूं।'

सामयिक

नफ़रत की आँच पर सुलगती दुनिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

जब विज्ञान के चरम पर पहुंची मानवता को लगा कि उसने युद्धों को इतिहास की गहराइयों में दफना दिया है, तभी रक्त से लथपथ वर्तमान ने यह प्रमाणित कर दिया कि सभ्यता के आवरण के नीचे अब भी हिंसा की चिंगारियाँ धधक रही हैं। चारों ओर भय, अस्थिरता और सत्ता की प्यास ने संसार को बारूद के मुहाने पर ला खड़ा किया है। रूस-यूक्रेन से लेकर इज़रायल-ईरान, भारत-पाकिस्तान से होते हुए बांग्लादेश तक, हर भूभाग जैसे अपने ही विनाश की पटकथा लिख रहा है। विश्व की धरती नफ़रत की राख में लिपटी हुई प्रतीत हो रही है और उसके ऊपर सत्तालोलुपता, धार्मिक उन्माद, असहिष्णुता और कूटनीतिक अहंकार की आँधी चल रही है। रूसी टैंक यूक्रेन की सीमाओं को कुचलते हुए तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, तो वहीं इज़रायल- फिलिस्तीन का दशकों पुराना घाव और अधिक रक्तरंजित होता जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के संबंधों की तलवार किसी पुराने रणबांकुरे की तरह दीवार पर टंगी तो है, पर किसी भी क्षण म्यान से बाहर आने को आतुर प्रतीत होती है। चीन की चालबाज़ियाँ, अफगानिस्तान का तालिबानी अंधकार, बांग्लादेश और म्यांमार में अस्थिर लोकतंत्र की कराह, ये सब मिलकर यह चित्र निर्मित कर रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर विश्वयुद्ध की कगार पर आ खड़ी हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ 2022 में हुआ था, जब यूक्रेन के पश्चिमी झुकाव और नाटो की बढ़ती सक्रियता ने रूस को उत्तेजित कर दिया। यह युद्ध केवल दो देशों की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों बनाम रूस के शीतयुद्ध के छाया-प्रसार की पुनरावृत्ति है। इसके परिणामस्वरूप न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों की मृत्यु हुई, बल्कि यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति चरमरा गई। खाद्यान्न संकट ने अफ़्रीकी और एशियाई देशों में महंगाई की चिंगारी सुलगाई। रूस, जो विश्व के प्रमुख उर्वरक और गैस निर्यातकों में से है, उस पर लगे प्रतिबंधों ने वैश्विक कृषि उत्पादन को प्रभावित किया। युद्ध की यह आग केवल यूक्रेन की धरती पर नहीं जल रही, बल्कि पूरी दुनिया इसकी तपिश से झुलस रही है।

इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का इतिहास जितना पुराना है, उतना ही त्रासदीपूर्ण भी। लेकिन 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़रायल पर हुए हमले और उसके बाद इज़रायल की बर्बर प्रतिहिंसा ने इस संघर्ष को अब एक मानवीय संकट में बदल दिया है। गाज़ा पट्टी में बमों की वर्षा, अस्पतालों की बर्बादी, बच्चों की चीखें- ये सब वैश्विक मानवता को शर्मसार कर रहे हैं। इस्लामी देशों की नाराज़गी, अमेरिका का खुला समर्थन और अब ईरान के साथ इज़रायल का टकराव इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में यह युद्ध क्षेत्रीय सीमा को लांघकर एक बड़े धार्मिक और राजनीतिक संघर्ष में तब्दील हो सकता है। भारत, जो वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम् के आदर्श को जीता आया है, वह भी इस वैश्विक अस्थिरता से अछूता नहीं रहा। पाकिस्तान के साथ बार-बार होते सीमाई संघर्ष, कश्मीर में आतंकवाद का पोषण, और हाल ही में पाकिस्तान की आर्थिक चरमराहट, यह सब दक्षिण एशिया में अस्थिरता को जन्म देता है। चीन की चालबाज़ी और विस्तारवादी नीति, विशेषकर अरुणाचल और लद्दाख के क्षेत्रों में, भारत को एक सतत सामरिक सतर्कता की अवस्था में रखे हुए है। डोकलाम और गलवान जैसी घटनाएँ यह सिद्ध करती हैं कि शांति केवल एक अंतराल है युद्ध की भूमिका नहीं।

बांग्लादेश में कट्टरवाद का उभार और म्यांमार में सेना द्वारा लोकतंत्र की हत्या ने भारत के पूर्वी पड़ोसी क्षेत्रों को भी अस्थिर किया है। वहाँ से होने वाले रोहिंग्या प्रवास, सीमा पर अवैध घुसपैठ और आंतरिक संघर्षों की गूंज भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भी विचलित करती रही है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में पुनः आगमन ने न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता और शिक्षा को संकट में डाला है, बल्कि एक बार फिर दक्षिण एशिया को आतंकवाद की प्रयोगशाला बनने की आशंका से ग्रस्त कर दिया है। इस समूचे वैश्विक असंतुलन का सबसे मार्मिक पहलू है उसकी आर्थिक परछाईं, जो हर देश के घर-आंगन में पसरी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोप में गैस की कीमतें दोगुनी हो गईं, जिसका असर भारत जैसे विकासशील देशों पर भी पड़ा। तेल के दामों में बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध, बंदरगाहों पर विलंब, और व्यापारिक रेखाओं की असुरक्षा, इन सबने विश्व व्यापार को धीमा कर दिया है। भारत, जिसकी अर्थव्यवस्था आयात-निर्यात पर भारी मात्रा में निर्भर करती है, उसे न केवल महंगे कच्चे तेल का बोझ उठाना पड़ा है, बल्कि आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से घरेलू महंगाई भी बेकाबू हो गई।

ईरान-इज़रायल टकराव ने अब मध्य-पूर्व की स्थिरता को एक नई चुनौती दी है। यह क्षेत्र, जो विश्व के तेल का प्रमुख स्रोत है, यदि युद्ध की चपेट में आता है, तो पेट्रोलियम मूल्य आसमान छूने लगेंगे। भारत, जो अपने कच्चे तेल का लगभग 857 आयात करता है, वह इस स्थिति में असहाय खड़ा दिखाई देगा। साथ ही, भारतीय प्रवासी श्रमिकों की एक बड़ी संख्या जो खाड़ी देशों में कार्यरत है, उनकी सुरक्षा, रोजगार और प्रेषण पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। विदेश में कार्यरत भारतीयों द्वारा भेजा गया धन भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यह प्रवाह ठप पड़ता है तो रुपया कमजोर होता है, शेयर बाजार लड़खड़ाता है और निवेशकों का मनोबल टूटता है। इन युद्धों का एक अन्य व्यापक असर है वैश्विक खाद्य असुरक्षा पर। रूस और यूक्रेन जैसे देश गेहूं, मक्का और सूर्यमुखी तेल के प्रमुख निर्यातक हैं। इनकी आपूर्ति बाधित होने से भारत सहित कई देशों में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ीं, जिससे गरीब वर्ग पर सीधा आर्थिक प्रहार हुआ। फलतः सरकारों को खाद्य सब्सिडी बढ़ानी पड़ी, जिससे बजट असंतुलन उत्पन्न हुआ।

शस्त्रों की होड़, रक्षा बजटों में वृद्धि और सैन्य समझौतों की बहुलता ने सामाजिक योजनाओं को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। जब देश अपने संसाधनों को युद्ध की तैयारी में खर्च करने लगते हैं, तब शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं पर निवेश घटता है। भारत जैसे देश में जहाँ हर चौथा व्यक्ति गरीबी रेखा के पास या नीचे जीवन जी रहा है, वहाँ युद्धों से प्रेरित आर्थिक अनिश्चितता सामाजिक न्याय के मार्ग में एक गंभीर बाधा बनती है। साथ ही, वैश्विक निवेश प्रवाह में भी युद्धों का असर पड़ता है। अनिश्चित भू-राजनीतिक वातावरण में निवेशक सुरक्षित स्थानों की ओर रुख करते हैं। भारत, जो पिछले वर्षों में विदेशी निवेशकों के लिए एक आशावान गंतव्य रहा, वह भी अब अमेरिका-चीन तनातनी, मध्यपूर्व में संकट और एशिया में अस्थिरता की वजह से प्रभावित हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपये की अस्थिरता, शेयर बाजार में अस्थिर प्रवृत्तियाँ और एफडीआई में कमी, ये सब संकेत हैं कि युद्ध केवल सीमा पर नहीं, अर्थव्यवस्था के हृदय में भी लड़े जा रहे हैं।

इन समस्त परिस्थितियों में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती यह है कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी भूमिका को संतुलित रखे। वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के मध्य भारत की विदेश नीति को न केवल विवेकपूर्ण, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और दीर्घदर्शी होना चाहिए। भारत को गुटनिरपेक्षता' की अपनी ऐतिहासिक नीति को आधुनिक संदर्भों में पुनः परिभाषित करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। रूस और अमेरिका, दोनों से संतुलित संबंध बनाए रखते हुए भारत को वैश्विक शांति की पहल में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पड़ोसी देशों के साथ संवाद, सहयोग और सांस्कृतिक कूटनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि सीमाओं पर स्थायित्व बना रहे। चीन के प्रति संयमित परंतु दृढ़ दृष्टिकोण, पाकिस्तान के प्रति आतंकवाद पर कठोर नीति और अफगानिस्तान व म्यांमार जैसे क्षेत्रों में मानवीय सहायता की भूमिका भारत को नैतिक नेतृत्व प्रदान कर सकती है। जलवायु, स्वास्थ्य और वैश्विक व्यापार जैसे मुद्दों पर भारत को 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज़ बनकर उभरना चाहिए, जिससे वह युद्ध की नहीं, समाधान की दिशा में मार्गदर्शक राष्ट्र बन सके। भारत को यदि वैश्विक नेता की भूमिका निभानी है तो उसे अहिंसा, शांति, सहयोग और विकास के मूल्यों को ही अपनी विदेश नीति का आधार बनाना होगा। इस वैश्विक उथल-पुथल से एक सीख यह भी निकलती है कि अब समय आ गया है जब संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच को अधिक सक्षम, स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना होगा। केवल बयान जारी करने और मानवीय सहायता भेजने से विश्व युद्ध की विभीषिका नहीं रुकेगी। वैश्विक समुदाय को आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य गठबंधनों और रणनीतिक चुप्पियों से ऊपर उठकर एक साझा संकल्प लेना होगा, युद्ध नहीं, संवाद हो।' क्योंकि जिस धरती पर बारूद बोया जाएगा, वहाँ कभी भी समृद्धि की फसल नहीं उगेगी।

वर्तमान विश्व व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ एक ओर विनाश का रास्ता है और दूसरी ओर सह-अस्तित्व का। आवश्यकता इस बात की है कि मानवता की संकल्पशक्ति, बुद्धिजीवियों की चेतना और राजनेताओं की दूरदर्शिता- तीनों मिलकर इस बारूद के ढेर को जलने से पहले बुझा दें। क्योंकि अगला विश्व युद्ध यदि हुआ, तो वह न केवल भूगोल की सीमाओं को मिटा देगा, बल्कि सभ्यता की आत्मा को भी राख कर देगा और उस राख से कोई भविष्य जन्म नहीं ले पाएगा, केवल पश्चाताप की धूल बचेगी।

नजरिया

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है भूमि के लिए एकजुट 'हमारी विरासत हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेंगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतिम यात्रा

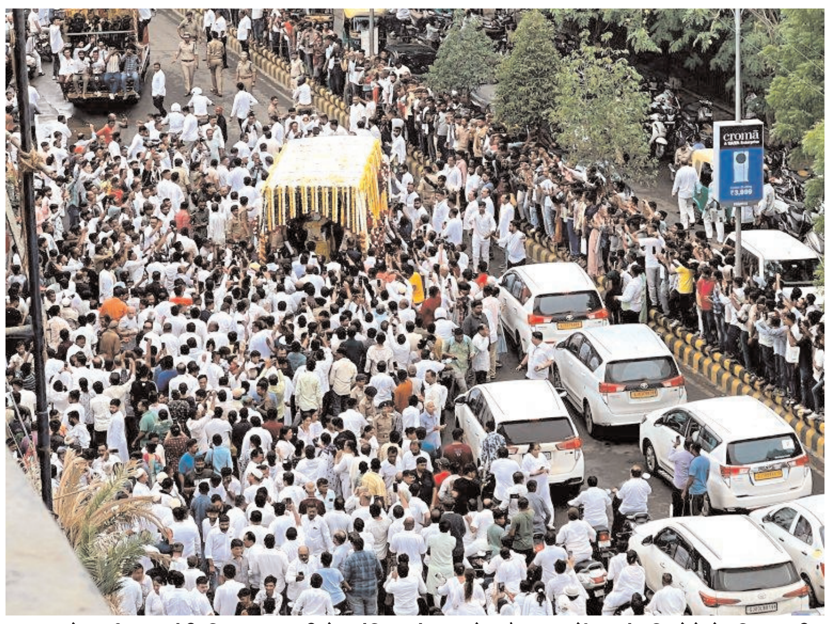

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए भारी भीड़ उमड़ी।

हमारा सबसे तेजी से बढ़ता परमाणु भंडार न्यूनतम स्तर पर बना हुआ है : चीन

बीजिंग/भाषा

चीन ने अपने तेज़ी से बढ़ते परमाणु हथियार भंडार को लेकर सफाई दी है कि यह अब भी उसकी न्यूनतम आवश्यकताओं के अनुरूप ही है। चीन ने हालांकि अमेरिका और रूस की बराबरी करने के लिए परमाणु होड़ में शामिल होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह परमाणु हथियारों की किसी दौड़ में शामिल नहीं है, बल्कि उसकी नीति न्यूनतम प्रतिरोध की है।

जानकारी के मुताबिक, चीन हर साल 100 से अधिक नए परमाणु हथियार तैयार कर रहा है और अब उसके पास कुल मिलाकर करीब 600 परमाणु हथियार हो चुके हैं।

एक स्वीडिश विचारक संस्था द्वारा सोमवार को जारी 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (एसआईपीआरआई) के अनुसार, बीजिंग ने 2023 से प्रत्येक वर्ष अपने परमाणु भंडार में 100 अतिरिक्त हथियार जोड़े हैं। उसके मुताबिक, वर्तमान में इसके पास कम से कम 600 हथियार हैं, और ऐसी आशंका है कि यह संख्या आने वाले दशक में बढ़ती रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, चीन के पास दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता परमाणु शस्त्रागार है जहां अधिकांश चीनी परमाणु आयुध को उनके लॉन्चर्स से अलग रखा गया है, वहीं माना जा रहा है कि चीन अब सीमित संख्या में मिसाइलों पर परमाणु हथियार तैनात करना शुरू कर रहा है ठीक उसी तरह जैसे अमेरिका बड़े पैमाने पर करता है। एसआईपीआरआई के अनुमान के मुताबिक, 132 परमाणु आयुध उन लॉन्चर्स को सौंपे गए हैं, जिन पर फिलहाल लोडिंग की प्रक्रिया जारी है। पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन के बढ़ते परमाणु हथियार भंडार का भारत पर भी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि बीजिंग का करीबी सहयोगी पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम में तेजी ला रहा है।

एसआईपीआरआई की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को मीडिया वार्ता में कहा कि चीन को इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

गुओ ने दोहराया कि चीन ने सदैव आत्मरक्षा की परमाणु रणनीति का पालन किया है तथा किसी भी हथियारों की दौड़ में शामिल हुए बिना अपनी परमाणु क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक न्यूनतम स्तर पर बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियारों का पहले प्रयोग न करने की नीति का सख्ती से पालन करता है तथा गैर-परमाणु राज्यों के खिलाफ परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की धमकी नहीं देता है।

विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ा रहा है जिसका कारण विश्व स्तरीय सैन्य शक्ति बनना है।

अल्लू अर्जुन को गद्दार अवॉर्ड्स में मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

हैदराबाद/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार अल्लू अर्जुन को गद्दार अवॉर्ड्स में फिल्म पुष्पा 2: द रूल के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। अल्लू अर्जुन ने अपनी स्टारडम को पूरी दुनिया में साबित कर दिया है। पुष्पा 2: द रूल की सुपर सफलता के बाद उन्होंने जो फेनोमेना क्रिएट किया, वो अब भी बरकरार है क्योंकि उन्होंने गद्दार तेलंगाना फ़िल्म अवॉर्ड्स में पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीत लिया है। अल्लू अर्जुन ने गद्दार तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड्स में धूम मचा दी। अल्लू अर्जुन ने ना सिर्फ पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अपने नाम किया, बल्कि 'पुष्पराज' बनकर फिर से सबका दिल जीत लिया। फैंस उन्हें देखकर झूम उठे। मेकर्स ने इस बड़ी जीत का जश्न मनाया और अवॉर्ड फंक्शन की झलकियां शेयर करते हुए लिखा,शानदार परफॉर्मेंस, और उतना ही लायक सम्मान!हमारे प्यारे आईकॉन स्टार अल्लूअर्जुनगारू को गद्दारअवार्डस2024 में पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतने पर ढेरों बधाइयाँ। पुष्पराज की गूंज अब भी जारी है, तालियों से लेकर अवॉर्ड तक सब जीत रहे हैं। तेलंगाना सरकार और गद्दार तेलंगाना फिल्मअवार्डसकी जूरी का दिल से धन्यवाद।

प्रभास की 'द राजा साब' के लिए बना 41,256 स्क्वायर फीट का हवेली सेट

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार प्रभास की आने वाली फिल्म 'द राजा साब' के लिए 41,256 स्क्वायर फीट का हवेली सेट बनाया गया है। रिबेल स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म द राजा साब का भूतिया हवेली सेट, 41,256 स्क्वायर फीट में बना है। इस भव्य हवेली को जाने-माने आर्ट डायरेक्टर राजीवन नांबियार ने डिजाइन किया है। राजीवन ने कहा, हमने बस डरावना दिखाने के लिए सेट नहीं बनाया।

हमने ऐसा कुछ रचा जो महसूस हो सके। हम चाहते थे कि जो भी इसमें कदम रखे, वो उसी पल इसकी गिरफ्त में आ जाए। मारुति, जो अपने यूनीक हॉरर-फैंटेसी टच के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने स्केल और इमोशन को मिलाकर एक ऐसा अनुभव रचा है जो स्क्रीन पर नहीं, सीधे नसों में दौड़ता है। यहाँ हर पत्थर, हर परछाईं, हर दीवार का शेड सब कुछ खास तौर पर इस अनुभव को गहरा बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां तक कि फर्श तक डर पैदा करता है। 'द राजा साब', पीपुल मीडिया फैक्ट्री द्वारा प्रस्तुत और विस्वा प्रसाद द्वारा निर्मित है। यह फिल्म पांच दिसंबर 2025 को पांच भाषा तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। इस फिल्म का संगीत थमन एस का है।

मास्टरकार्ड और ईवा लाइव ने मिलाया हाथ, 20 से ज़्यादा शानदार लाइव परफॉर्मेंस होंगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत में संगीत को बढ़ावा देने में मास्टरकार्ड महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने लाखों कार्डधारकों के लिए संगीत के अनुभव को मधुर बनाने के लिए मास्टरकार्ड ने प्रमुख लाइव एंटरटेन्मेंट कंपनियों में से एक ईवा (ईवीए) लाइव के साथ साझेदारी की है। इसके तहत अक्टूबर से दिसंबर तक देश के कई शहरों में 20 से ज्यादा शानदार परफॉर्मेंस की जाएंगी। यह पहल 30 अक्टूबर को मुंबई में ग्लोबल पॉप आइकन एनरिक इग्लेसियस के साथ शुरू होगी, जो 13 वर्षों के बाद भारत आ रहे हैं। इसके बाद फैंस एआर रहमान की परफॉर्मेंस और डीजे टिएस्टो तथा अन्य ग्लोबल स्टार्स के हाई एनर्जी सेटस का आनंद ले सकेंगे।

मास्टरकार्ड के दक्षिण एशिया प्रभाग के अध्यक्ष गौतम अग्रवाल ने कहा, 'ईवा लाइव के साथ मास्टरकार्ड की साझेदारी यादगार लम्हों का निर्माण करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो लोगों के दिलों से जुड़ेगी। साथ ही, यह ब्रांड जुड़ाव को मजबूत करेगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी।' मास्टरकार्ड की एशिया प्रशांत क्षेत्र की मार्केटिंग एवं संचार की कार्यकारी उपाध्यक्ष जूली नेस्टर ने कहा, 'मास्टरकार्ड ने लोगों को अमूल्य संभावनाओं से जोड़ने की शक्तिशाली वैश्विक विरासत का निर्माण किया है। ईवा लाइव के साथ यह सहयोग इस विरासत को आगे बढ़ाएगा, जो हमारे कार्डधारकों के लिए फायदेमंद है।'

ईवा लाइव के संस्थापक और प्रबंध निदेशक दीपक चौधरी ने कहा, 'मास्टरकार्ड के साथ यह महत्त्वपूर्ण सहयोग भारत में लाइव संगीत के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत है। हम राष्ट्रीय लाइव म्यूजिक सीन को बुलंदियों तक पहुंचाने और फैंस एवं कलाकारों के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं।'

मास्टरकार्ड धारकों को होंगे ये फायदे:

- प्रीसेल के दौरान टिकटों तक जल्दी एक्सेस।
- पोस्ट-प्रीसेल में 10 प्रतिशत की छूट।
- मास्टरकार्ड के खास अनुभव, जिसमें कलाकारों से मीट-एंड-ग्रीट और एक्सक्लूसिव मास्टरकार्ड लाउंज शामिल हैं।
- टिकट सभी मास्टरकार्ड कार्ड- क्रेडिट, डेबिट या प्रीपेड का इस्तेमाल कर खरीदे जा सकते हैं।

मुझे पसंद है आशुतोष का काम, वह हर किरदार को लगन के साथ निभाते हैं: रेणुका शहाणे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता-निर्देशक रेणुका शहाणे नई स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं और इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह अभिनेता, पति आशुतोष राणा की फैन हैं। शहाणे का मानना है कि वह लगन के साथ काम करते हैं, जिसे देखकर उन्हें गर्व होता है। रेणुका ने कहा, मैं एक स्क्रिप्ट लिख रही हूं। उम्मीद है, एक दिन मैं कैमरे के पीछे और आशुतोष उसके सामने होंगे। रेणुका ने हालिया फिल्म 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में आशुतोष के निभाए किरदार की तारीफ की। राणा ने चंद बरदाई की भूमिका निभाई थी। रेणुका ने उनकी एक्टिंग को सराहते हुए कहा, मुझे आशुतोष का काम पसंद है। वह एक गजब के अभिनेता और व्यक्तित्व हैं। वह हर किरदार को पूरी लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं। मुझे उनकी एक्टिंग देखना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी पत्नी होने के नाते मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं।

अभिनेत्री अमायरा दस्तूर सोमवार को मुंबई में हवाई अड्डे के प्रस्थान टर्मिनल पर पहुँचीं।

शनाया कपूर ने 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला लुक टेस्ट याद किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला लुक टेस्ट याद किया है। संजय कपूर के बेटी शनाया कपूर फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है। शनाया कपूर ने सोशल मीडिया पर पर एक क्यूट सा थ्रोबैक शेयर किया है। यह वीडियो उस दिन का है जब शनाया ने 'आंखों की गुस्ताखियां' के लिये पहली फिटिंग्स की थी। ब्राउन फिटेड टॉप, स्टेटमेंट लेदर कार्गो और शियरलिंग जैकेट में शनाया नेक्सट जेनेरेशन ड्रीम गर्ल लग रही थी। उनकी मुस्कान बता रही थी कि ये जर्नी कितनी स्पेशल होने वाली है। बैकग्राउंड में विशाल मिश्रा का दिल छू लेने वाला गाना 'नज़ारा' बज रहा था। शनाया ने कैप्शन में लिखा, पहला दिन, पहली फिटिंग और वो पहली वाली एक्साइटमेंट, आंखों की गुस्ताखियां।

ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स द्वारा निर्मित, आँखों की गुस्ताखियाँ का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला ने लिखा है। विशाल मिश्रा ने इसका संगीत दिया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर अभिनीत यह रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार है।

जसप्रीत बुमराह और संजना गणेशन बने केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के नए ब्रांड एंबेसडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी व जानी-मानी खेल प्रस्तोता संजना गणेशन को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस जोड़ी का प्रतिनिधित्व राइज़ वर्ल्डवाइड द्वारा किया जा रहा है।

कंपनी का मानना है कि जसप्रीत और संजना का रिश्ता भरोसे, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों पर आधारित है, वही मूल्य जो न केवल उनके खेल में उत्कृष्टता की पहचान हैं, बल्कि जीवन बीमा के क्षेत्र की भावना से भी मेल खाते हैं। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के अनुसार, यह रियल-लाइफ दंपति इस सोच को दर्शाता है कि जब ज़रूरत पड़े, तब साथ निभाना ही एक सच्चे पार्टनर की असली पहचान है।

इस अवसर पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अल्टरनेट चैनल्स एवं चीफ मार्केटिंग ऑफिसर ऋषि माथुर कहा, 'जीवन बीमा सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि हर जीवन चरण में साथ निभाने का वादा है। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में हम अपने ग्राहकों की वित्तीय यात्रा में एक भरोसेमंद साथी बनने पर गर्व महसूस करते हैं।'

जसप्रीत बुमराह ने कहा, 'हर वादा, चाहे वह मैदान पर हो या जीवन में, जिम्मेदारी के साथ आता है।

संजना और मैं हमेशा पहले से योजना बनाकर चलने और हर दौर में एक-दूसरे का साथ देने में विश्वास रखते हैं। ऐसे में केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक सहज और स्वाभाविक जुड़ाव जैसा है।'

संजना गणेशन ने कहा, 'मेरे लिए एक सच्चे साथी का मतलब है ऐसा साथ, जिस पर हर परिस्थिति में भरोसा किया जा सके। यही सोच मुझे केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस और उनकी 'प्रॉमिसेज़ का पार्टनर' फिलॉसफी से जुड़ने के लिए प्रेरित करती है।'

फिल्म 'हाउसफुल 5' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त 06 जून को रिलीज हुयी है। इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ,रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस,सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े,चित्रांगदा सिंह,डीनो मोरिया,चंकी पांडे, जॉनी लीवर, निकितेन धीर,सौंदर्या शर्मा, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर जैसे सितारे हैं। फिल्म 'हाउसफुल 5 दो अलग-अलग क्लाइमैक्स के साथ रिलीज की गयी है। हाउसफुल 5' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार है। हर दिन फिल्म पर झमाझम नोटों की बारिश हो रही है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'हाउसफुल 5' ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 127.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। वहीं, आठवें दिन फिल्म ने 06 करोड़ और नौवें दिन 9.5 करोड़ की कमाई की। वहीं, अब दसवें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म हाउसफुल 5 ने दसवें दिन 11 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म हाउसफुल 5 भारतीय बाजार में 10 दिनों में 153 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।

'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने निभाया 100 साल की महिला का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने अपनी आने वाली फिल्म द बंगाल फाइल्स' में 100 साल की महिला का किरदार निभाया है। पल्लवी जोशी अब 'द बंगाल फाइल्स' से स्क्रीन पर दमदार वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में उनका अहम रोल है और इसे निर्देशित किया है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने। फिल्म को अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म भारत के इतिहास के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाएगी, जिन पर अब तक ज़्यादा बात नहीं हुई है। विवेक की पिछली फिल्मों की तरह इसमें भी समाज से जुड़ी कहानियों को मजबूती से दिखाया गया है। पल्लवी, जो हमेशा गहराई और भावनाओं से भरे किरदारों के लिए जानी जाती हैं, इस बार 'मां भारती' का रोल निभा रही हैं। ये किरदार देश की ममता, मासूमियत और जज़्बे का प्रतीक है। लेकिन इस रोल को पर्दे पर उतारना आसान नहीं था, क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें हैं और हर एक को सच्चाई से दिखाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी।

पल्लवी जोशी ने बताया, ये मेरी ज़िंदगी के सबसे मुश्किल रोल्स में से एक था। बूढ़ा दिखना आसान नहीं होता। ज़्यादातर प्रोस्थेटिक्स से मैं डरावनी लग रही थी, जबकि हमें एक ऐसा चेहरा चाहिए था जो मासूम और प्यारा लगे। मां भारती को गर्मजोशी और अपनापन दिखाना था। पल्लवी जोशी ने कहा,मेरे पास बस एक ही रेफ़रेंस था, मेरी दादी। मुझे वो बहुत बूढ़ी याद हैं लेकिन उतनी ही प्यारी भी। हमने इस लुक पर करीब छह महीने तक काम किया। इस दौरान मैंने स्किन केयर पूरी तरह छोड़ दी ताकि मेरी त्वचा रूखी दिखे। हर दिन मैं मां भारती के किरदार और उनकी डिमेंशिया को लेकर काम करती रही, जब तक कि वो मेरी आदत में शामिल नहीं हो गया। हमारी टेक्निकल टीम ने भी इस लुक और रोल को रियल बनाने में पूरा साथ दिया। और जो आख़िरी नतीजा आया है, वो सबके सामने है। 'द बंगाल फाइल्स' को लिखा है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने और इसे प्रोड्यूस किया है अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नज़र आएंगे। तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा द्वारा पेश की जा रही यह फिल्म, विवेक की 'फाइल्स ट्रिलॉजी' का हिस्सा है, जिसमें पहले 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' आ चुकी हैं। 'द बंगाल फाइल्स' 05 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के तत्वावधान में रविवार को गोड़वाड़ भवन में आयोजित एक बैठक में 14 प्रवासी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत के नेतृत्व में बैठक में सबसे पहले अहमदाबाद के हवाई हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विश्व रक्तदान दिवस पर निकाली जागरूकता रैली व किया रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के राष्ट्रोत्थान ब्लड सेन्टर द्वारा शनिवार को विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता पदयात्रा तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ब्लड सेन्टर के दत्तमूर्ति कुलकर्णी ने 80वीं बार, केशव विद्याकेन्द्र के प्रमुख श्रीधर जोशी, सदस्य विनोदकुमार पटवा ने 67वीं बार, बसवानंद स्वामीजी ने 108वीं बार रक्तदान कर सभी को प्रेरित किया। इस मौके पर विधायक महेश चें गिनकाई, डॉ वीएसवी प्रसाद, गोविंद जोशी, एसडी बेल्लड़, वीरेन्द्र चेड्डा, डॉ एसएस संगोली आदि उपस्थित थे। जागरूकता पदयात्रा में केएलई नर्सिंग कॉलेज, भावदीप स्कूल, चिन्मय स्कूल, केशव विद्या केन्द्र, आयुर्वेद कॉलेज, किम्स, अशोक नर्सिंग कॉलेज, शकुंतला नर्सिंग कॉलेज आदि ने विद्यार्थियों ने भाग लिया और रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाई।

जैनेतर प्रवासी समुदाय के लिए नरेशमुनि का प्रवचन व सत्संग कार्यक्रम 29 को

विश्वकर्मा जांगीड़ भवन में होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के तत्वावधान में रविवार को गोड़वाड़ भवन में आयोजित एक बैठक में 14 प्रवासी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत के नेतृत्व में बैठक में सबसे पहले अहमदाबाद के हवाई हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संघ के सहसचिव केवलचंद सालेचा की टीम ने नमंगलाचरण किया। जांगीड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल जांगीड़, अध्यक्ष कीरताराम जांगीड़, पटेल समाज के सचिव भीमाराम पटेल, विश्नोई समाज के अध्यक्ष मालाराम विश्नोई, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल व अध्यक्ष भवराज राजपुरोहित ने सभी का स्वागत किया।

जवरीलाल लुनावत ने बताया कि जैन स्थानकवासी संत नरेशमुनिजी का इस वर्ष का चातुर्मास बेंगलूरु में होना तय है। कुछ दिन पहले आयोजित बैठक में जैन संत नरेशमुनिजी ने कहा था कि वे (संतश्री) चाहते हैं कि चातुर्मास शुरू होने से पहले बेंगलूरु में विभिन्न समाज के किसी एक भवन में विभिन्न प्रवासी समुदाय के लोगों के लिए प्रवचन का आयोजन किया जाए और चातुर्मास के चार माह में विभिन्न समाज के लोग भी उनके प्रवचन का श्रवण करें। लुनावत ने बताया कि इस मुद्दे पर विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा हुई और निर्णय लिया गया कि 29 जून को सुबह बिन्नीपेट स्थित विश्वकर्मा जांगीड़ भवन में सत्संग का आयोजन किया जाए। इस सत्संग कार्यक्रम में विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी। तत्पश्चात संतश्री का प्रवचन होगा। लुणावत ने उपस्थित सभी समाज के लोगों से उनके समाज की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए निवेदन किया।

कार्यक्रम में मरुधरा जैन नवयुवक मंडल, महाराणा प्रताप नवयुवक मंडल व आंजणा पटेल समाज के नवयुवक मंडल अपनी सेवाएं देंगे। बैठक में राजपूत समाज, कर्नाटक पेपर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण लुकड़, उपाध्यक्ष प्रदीप लुनावत, गौड़ ब्राह्मण समाज, गोड़वाड़ भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया, देवासी समाज, घांची समाज, पटेल समाज, नाथ समाज, रावणा राजपूत समाज, विश्नोई समाज, कुमावत समाज, दर्जी समाज, जाट समाज, चारण समाज, जांगीड़ समाज, गोस्वामी समाज, वैष्णव समाज, राजपुरोहित समाज व जैन समाज के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित थे। अंत में नाथूराम पटेल, राजेन्द्रसिंह कुंपावत व अभिषेक परिहार ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेयुप गांधीनगर का खुशियों के पल-अपनों के संग स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा रविवार को एक रिसोर्ट में खुशियों के पल-अपनों के संग स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष रमेश डागा, उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विमल कटारिया, प्रबंधक मंडल सदस्य व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने तेयुप बेंगलूरु की संतों के प्रति वैयावच्च व विहार सेवा की सराहना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए विविध मनोरंजक खेल एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष योगदान देने वाले प्रायोजकों का सम्मान तेयुप गांधीनगर द्वारा किया गया। स्नेह मिलन संयोजक विकास बाबेल, विनोद कोठारी एवं टीम ने व्यवस्था संभाली। परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी उपस्थितजनों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी सामाजिक एकता, स्नेह और आनंद का जीवंत प्रतीक बना। भरत जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीर्थ दर्शन

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका के अभ्यासकों के लिए लाभार्थी संघवी ललितादेवी पुखराज शाह के सौजन्य से टुमकूर रोड स्थित श्री आदि संस्कार, मंदारगिरी आदि के तीर्थो का दर्शन वंदन, पूजा पाठ, स्नात्र पूजा आदि का आयोजन किया गया। परिषद व ज्ञान वाटिका की अध्यक्ष आरती जैन ने लाभार्थी परिवार को धन्यवाद दिया। बच्चों को देव दर्शन के साथ साथ धार्मिक खेलकूद का भी आनंद उठाया। चंद्रिका बोहरा, सुरेखा धारीवाल, परमेश्वरी संखलेचा आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

धार्मिक आयोजनों में मात्र 11 खाद्य आइटम परोसे जाएंगे, अतिथियों का होगा शाब्दिक सम्मान

स्थानकवासी जैन महासंघ की बैठक में लिया गया निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ की कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक रविवार को हीराबाग में आयोजित हुई जिसमें सात सूत्री मार्गदर्शिका का प्रस्तुतिकरण व घोषणा हुई। महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहर के 35 स्थानकवासी संघों के पदाधिकारी एवं संस्थापक सदस्य उपस्थित थे। महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा ने सभी का स्वागत किया।

महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने सात सूत्री मार्गदर्शिका प्रस्तुत करते हुए बताया कि स्थानकवासी समाज द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में मात्र 11 खाद्य आइटम परोसे जाएंगे। साधु साध्वियों के चातुर्मास प्रवेश जुलूस में वाद्य यंत्रों का उपयोग नहीं होगा। प्रत्येक प्रवचन में समय का अनुशासन रहेगा तथा ज्ञान वृद्धि को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। जैन आगम जुलूस के हिस्से नहीं बनेंगे एवं अतिथि स्वागत सत्कार शाब्दिक होगा। चातुर्मास ज्यादा खर्चीले न हों, ऐसा प्रयास होगा। उपस्थित अनेक संघों के अध्यक्ष एवं मंत्री ने प्रस्तावों का समर्थन करते हुए उन्हें आवश्यक एवं उचित बताया। बैठक में महेंद्र मुणोत, नेमीचंद सालेचा, उत्तमचंद कोठारी, पारसमल नाहर, प्रेमचंद कोठारी, मनोहरलाल लुंकड़, सुनील नंदावत, रमेश सिसोदिया, सुमेरसिंह, प्रकाश बुरड़, अशोक गुगलिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, अशोक बांठिया, कन्हैयालाल सुराणा, नेमीचंद दलाल, महावीर मेहता, किशोर दलाल, दिनेश पोखरना ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में स्थानकवासी युवाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया और युवा वर्ग को स्थानक से जोड़ने के प्रयास पर बल दिया गया।

आयोजनों में समय पाबंदी की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई तथा निर्णय लिए गए। कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना ने हीराबाग संघ और अतिथियों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन करते हुए महामंत्री बांठिया ने बताया कि कार्यकारिणी समिति की अगली बैठक विजयनगर संघ के तत्वावधान में होगी।

बीजेएस मैसूरु ने मनाया पितृ दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) द्वारा रविवार को पितृ दिवस मनाया गया। अध्यक्ष राजन बाघमार ने सभी का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष अशोक सालेचा ने एक बच्चे पर माता-पिता के उपकार, उनके ऋण, उनकी महत्ता पर स्वरचित कविता सुनाई। मुख्य सचिव दीपक बोहरा ने कहा कि पिता की छाया में ही हम सबकी दुनिया सुरक्षित है। पिता की की छाया मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कविता के माध्यम से भी पिता के उपकारों को याद किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध दूरदर्शन कलाकार हर्ष नागपाल ने विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम, खेलकूद, चर्चाओं के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की संयोजिका उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा एवं महिला इकाई की सचिव सीमा बोहरा ने व्यवस्था संभाली। बीजेएस के उपाध्यक्ष नेमीचंद बड़ोला, सचिव नवरतनमल पितलिया सहित महिला शाखा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य शिविर

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर केंगेरी द्वारा केंगेरी सैटेलाइट टाउन के होयसला सर्कल पर निशुल्क बीपी एवं शुगर जांच शिविर का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें 95 लोग लाभान्वित हुए। अमित पगारिया परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में अभातेयुप सीपीएस के राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, कार्यसमिति सदस्य दीपक सुराणा, विवेक सुराणा, राकेश दुगड़, महेश मांडोत ने सेवाएं प्रदान की।

अभामायुमं कर्नाटक प्रांत की सप्तम कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सम्पन्न

विभिन्न प्रकल्पों के चेयरमैन नियुक्त किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच(अभामायुमं) की कर्नाटक प्रांत इकाई की सप्तम कार्यकरिणी की प्रथम बैठक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को एक होटल में सम्पन्न हुई। मोहित शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रान्त में मारवाड़ी युवा मंच को मजबूत बनाने के लिए हम सबको मिल कर प्रान्त का दौरा करते हुए कर्नाटक हर जिले में मंच की शाखा खोलने का कार्य करना होगा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। प्रांतीय महमंत्री मनीष गोलयान ने मंत्री प्रतिवेदन पेश करते हुए 15 सूत्री विषय की जानकारी दी। सभी मण्डलीय उपाध्यक्षों सहित सभी संयोजकों ने कार्य योजनाओं का प्रस्तुतिकरण करते हुए राष्ट्रीय संयोजकों से विचार विमर्श करके नई ऊर्जा के साथ कार्य कर

ने की योजना बनाने का निर्णय लिया। बैठक में मायुमं बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी को मंच के विस्तार फोरम का चेयरमैन, सेन्ट्रल शाखा के पूर्व अध्यक्ष रोहित केडिया को बिजनेस फोरम का चेयरमैन, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुशील बंसल को काउंसलिंग एवं ट्रेनिंग फोरम का चेयरमैन तथा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल को सोशल एवं हेल्थ केयर फोरम का चेयरमैन नियुक्त किया गया। बैठक में मुख्य रूप से मायुमं के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जोन 5) साकेत रिटोलिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल, सुशील कुमार बंसल एवं संजय जाजोदिया सहित अनेक राष्ट्रीय, प्रांतीय व स्थानीय शाखाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के रमाबाई राज्य महिला संघ द्वारा विवेकानंद नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाबासाहेब डॉक्टर भीमरावराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए।

धर्म है सबकी सुख-शांति व कल्याण का आधार : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। सोमवार को शहर के आदिनाथ जैन धर्मशाला में प्रवचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म अद्भुत, अनुपम और अमूल्य तत्व है। यह प्राणीमात्र के कल्याण और सबकी सुख-शांति का नियामक है। धर्म का अनुयायी होना और धार्मिक होना, दोनों में गहरा अंतर है। अनुयायी होने का अर्थ है किसी धर्म-संप्रदाय की मान्यता को स्वीकार करना और धार्मिक होने का अर्थ है धर्म को धारण करना, धर्ममय होना यानी धर्मतत्व से स्वयं का रूपांतरण करना। यह अवस्था धर्मतत्व को ठीक से समझे बिना संभव नहीं है। धर्मस्थल, धर्मगुरु और धर्मग्रंथ हमारे प्रेरणाकेन्द्र हैं। वे धर्मतत्व को समझने के माध्यम हैं, लेकिन धर्मतत्व स्वयं के भीतर संक्रमित या फलीभूत हों, यह अत्यंत आवश्यक है। इसलिए धर्म का दिखावे से कोई संबंध नहीं है। धर्म प्रदर्शन में नहीं, स्वदर्शन में जीवंत रहता है। दिखावे की चेष्टाएं अधार्मिक होने का प्रतीक है। धर्म की आराधना-उपासना तो सभी लोग अपने-अपने ढंग से करते आ रहे हैं, लेकिन धर्मतत्व को अपने भीतर उतारना अर्थात उससे अपने अंतर का रूपांतरण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। धर्म की यही वास्तविक उपलब्धि है।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि भीतर के रूपांतरण का अर्थ है कि मनुष्य के सोच-विचार, आहार, व्यवहार, वाणी, व्यापार, चाल-चलन, सभी में सम्यक परिवर्तन का आना चाहिए। एक प्रकार से यह ज्ञानदशा का प्रकटीकरण है। धर्म की आराधना के बाद दूसरे क्रम में धर्म की प्रभावना आती है। उसका तात्पर्य यह है कि धर्म का इस प्रकार प्रसार-प्रचार करना, जिससे अबोध लोगों को धर्म का बोध मिलें, जनसामान्य धर्मतत्व के प्रति आकर्षित बनें, उनके भीतर धर्मतत्व से रूपांतरण हों यानी उनका भी मंगल-कल्याण हों। इसलिए हम सभी को सिर्फ धर्म की आराधना-उपासना तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जन-जन को धर्मतत्व से पल्लवित करना चाहिए। धर्म की प्रभावना सर्वमंगल-सर्वहित की कामना है। इसके बाद तीसरा क्रम धर्मरक्षा का आता है अर्थात अधर्म और अधार्मिक प्रवृत्तियों से धर्म की रक्षा करना। धर्म की रक्षा करने से ही अपनी रक्षा हो सकती है। दुर्गति की ओर बढ़ रही आत्माओं को धर्म धारण करता है और उन्हें सद्गति की ओर मोड़ता है। धर्म के शुद्ध स्वरूप को समझना ही ज्ञानी होने का सार है।इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी भी उपस्थित थे। पंन्यास परमयशविजयजी ने कहा कि धन हमें अच्छा लगता है इसलिए धनवान भी अच्छे लगते हैं। उसी तरह भगवान अच्छे लगें तो भगवान के बतलाए उपदेश भी अच्छे लगने चाहिए।यदि भगवान द्वारा बतलाए गए कल्याणकारी सिद्धांतों से आपको प्रेम नहीं है तो इससे यह सिद्ध होता है कि भगवान के प्रति भी आपको प्रेम नहीं है।

इस मौकेपर सोमवारको विहार कर होसपेट आए मुनि वैभवरत्नविजयजी ने कहा कि मोह संताप लाता है। चैतन्य की शुद्धता के लिए मोह को कम करना जरूरी है। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। यदि हम सही मार्ग का अनुसरण करें तो प्रतिक्रिया कभी गलत नहीं होगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com